वर्ष :-04
अंकः-217
मुरादाबाद
27 November 2024
(Wednesday)
पृष्ठः-08
मूल्यः- 3.00 रुपया

दैनिक प्रातः कालीन मुरादाबाद से प्रकाशित

क्यूँ न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संविधान दिवसः सीएम योगी बोले- 'जिन लोगों ने संविधान का गला घोंटने की कोशिश की, जनता ने उन्हें सबक सिखाया'

संविधान दिवस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन लोगों ने संविधान का गला घोंटने की कोशिश की, जनता ने उन्हें सबक सिखाया। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के संविधान में दो शब्द सेक्युलर और सोशलिस्ट संविधान में नहीं थे। कांग्रेस ने चोरी-चुपके से यह शब्द जोड़े हैं। सीएम ने कहा कि जिन लोगों ने भारत के संविधान का गला घोंटने की कोशिश की, जनता ने उन्हें सबक सिखाया है। कहा कि संविधान 140 करोड़ भारतीयों को जोड़ने का काम करता है। मूल कर्तव्यों का निर्वहन ही बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि है। कहा कि संविधान पर वर्ष भर कार्यक्रम चलेंगे। कार्यक्रम में सीएम योगी के साथ डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। सीएम योगी आदित्यनाथ से मिले डेनमार्क के राजदूत, कई मुद्दों पर की चर्चा- लखनऊ के मुख्यमंत्री आवास पर डेनमार्क के राजदूत ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और कई मुद्दों पर चर्चा की।राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से डेनमार्क के राजदूत ने मुलाकात की और कई मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान व्यापारिक सहयोग बढ़ाने सहित अन्य कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

संक्षिप्त समाचार

संभल हिंसा: नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे बोले- कानून नहीं मानती भाजपा, DGP ने निष्पक्ष जांच का दिया भरोसा

संभल हिंसा को लेकर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे ने कहा कि भाजपा सरकार संविधान और कानून नहीं मानती है। DGक्ने निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया है। इसलिए आज हम लोग नहीं जा रहे है। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने संभल हिंसा को लेकर सरकार को घेरा। सपा के डेलिगेशन के संभल जाने पर भी अपनी बात कही। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि संभल हिंसा पर डीजीपी ने निष्पक्ष जांच होने का भरोसा दिया है। हम लोग आज मौके पर जाने वाले थे। लेकिन, हमें तीन दिन बाद जाने के लिए बोला गया है। कहा कि प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट का पालन नहीं हो रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने सरकार को घेरे पर लिया। कहा कि घटना के दिन जियाउर्रहमान संभल में नहीं थे। भाजपा सरकार संविधान को नहीं मानती है। कहा कि पुलिस अपने बचाव के लिए कुछ भी बयान दे रही है। इस सरकार को लोकतंत्र में भरोसा नहीं है।

संविधान के 75 वर्षः राष्ट्रपति ने संस्कृत में संविधान की पुस्तक का विमोचन किया, डाक टिकट-सिक्के का भी अनावरण

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को संविधान सदन के ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। इसके साथ ही भारत के संविधान को अंगीकर करने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में साल भर चलने वाले समारोह की शुरुआत होगी। संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर केंद्र सरकार ने मंगलवार से साल भर चलने वाले कार्यक्रमों की शुरुआत कर दी है। हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान अभियान के तहत इसकी शुरुआत पुराने संसद भवन में आयोजित कार्यक्रम से हुई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस मौके पर इस दिन पर स्मारक सिक्के और डाक टिकट का अनावरण किया। इसके बाद उन्होंने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय मंत्रियों के साथ संसद के दोनों सदन के सदस्य मौजूद हैं। संयुक्त सत्र को सबसे पहले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने संबोधित किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देशवासियों को संविधान का महत्व बताया। बता दें कि संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को संविधान संविधान को अपनाया था। इसे बाद में 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। पूरे देश के स्कूलों में होगा संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ- सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि नागरिकों को संविधान की विरासत से जोड़ने के लिए एक वेबसाइट- कॉन्स्टिटूशन75 डॉट कॉम बनाई गई है। केंद्रीय संस्कृति सचिव अरुणीश चावला ने नेशनल मीडिया सेंटर में संवाददाताओं को बताया कि संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ पूरे देश के स्कूलों में किया जाएगा। संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को दिल्ली में पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में हुई थी। संबोधन में क्या बोले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला? इस बीच लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला ने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, 75 वर्ष पहले इसी दिन, इसी पवित्र स्थान पर हमारे संविधान को अंगीकृत किया गया था। संपूर्ण देश एक साथ मिलकर आज संविधान के प्रति कृतज्ञता प्रकट कर रहा है। आज करोड़ों देशवासी संविधान की प्रस्तावना का पाठ कर के देश को आगे बढ़ाने का संकल्प लेंगे। पीएम मोदी की प्रेरणा से 2015 में हमने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का एतिहासिक निर्णय लिया था। हमारा संविधान वर्षों के तप, त्याग विद्वता, सामर्थ्य और क्षमता का परिणाम है। इसी केंद्रीय कक्ष में तीन वर्षों के कठिन परिश्रम के बाद उन्होंने देश की भौगोलिक और सामाजिक विविधताओं को एक सूत्र में बांधने वाला संविधान बनाया। स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी हुआ- इस एतिहासिक अवसर पर संसद के पुराने भवन के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रपति मुर्मू ने एक कार्यक्रम को भी संबोधित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। संविधान दिवस पर क्या बोले उपराष्ट्रपति धनखड़- संविधान दिवस पर संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, हमें हमेशा देश को पहले रखना चाहिए और अब सबसे ज्यादा चौकन्ना रहने की जरूरत है। विकसित भारत 2047 के हमारे लक्ष्य को पाने के लिए यह प्रतिबद्धताएं जरूरी हैं। उन्होंने कहा, यह महत्वपूर्ण दिन एक एतिहासिक मील का पत्थर है क्योंकि हम भारत द्वारा अपना संविधान अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, जो दुनिया के सबसे बड़े और सबसे गतिशील लोकतंत्र के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह हमारे संविधान के मूल्यों पर विचार करने और इसके मार्गदर्शक सिद्धांतों के प्रति हमारे समर्पण की पुष्टि करने का अवसर है।

'दोबारा सर्वे का काम क्यों किया...', अखिलेश ने फिर उठाए सवाल; संभल जाने से क्यों रोका जा रहा

संभल में धीरे-धीरे हालात सामान्य हो रहे हैं। मंगलवार को स्कूल और बाजार खुले। उधर, सपा का प्रतिनिधि मंडल आज संभल नहीं जाएगा। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी सवाल उठाए हैं। दिल्ली में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संभल हिंसा पर एक बार फिर सवाल उठाए हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जामा मस्जिद में दोबारा सर्वे का काम क्यों किया? उन्होंने कहा कि मैं भी संभल जाऊंगा। संभल जाने से क्यों रोका जा रहा है। संभल का हाल जानना चाहते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि संभल में न्याय नहीं मिल रहा है। हम संविधान का सम्मान करते हैं। हम संविधान का उत्सव कैसे मनाएं? उत्सव ढोंग नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान को नहीं मानती है। यूपी में वोट की लूट हुई। आपको बता दें कि आज समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मंडल संभल नहीं जाएगा। तीन दिन तक जाने की इजाजत नहीं मिली है। डीजीपी से तीन दिन तक जाने की इजाजत नहीं मिली है। इस दौरान सपा के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान दिवस के लिए सभी को बधाई। सच्चा उत्सव तभी है जब सब संविधान के रास्ते पर चले। संविधान के रास्ते पर चलकर सच्चा उत्सव मना सकते हैं। हम सब सच्चे समाजवादी संविधानवादी लोग हैं। हम वो समाजवादी नहीं जो संविधान को कोरा कागज समझते हो...और संविधान का उत्सव उस समय मनाना जब संभल में कई जाने चली गई हों, गम के माहौल में कैसे उत्सव मनाया जा सकता है और उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है..पूरी गलती जो है वो सरकार की है..वहां पर कोई जा भी नहीं सकता है, ये भाजपा के वो लोग हैं जो संविधान से नहीं चलते.. संभल घटना पर समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि अगर किसी को न्याय नहीं मिलेगा तो वो क्या करेगा? अगर किसी व्यक्ति को न्याय नहीं मिलेगा तो वो कुछ न कुछ करेगा...संभल में प्रशासन जो भी कर रहा है, वो 100% गलत है. प्रशासन ने जानबूझकर वहां अशांति फैलाई है। अगर प्रशासन इजाजत दे तो हमारा प्रतिनिधिमंडल वहां जाएगा...हम संसद में संभल का मुद्दा उठाएंगे, ये हमारी प्राथमिकता है और हम इसे छोड़ेंगे नहीं। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव संभल की घटना पर कहती हैं कि इसका प्रशासन जिम्मेदार है। संभल में लगातार झूठे मुकदमे दर्ज करके लोगों को परेशान किया जा रहा है, हमारे सांसद भी मौजूद नहीं थे, वो घटना के समय बेंगलुरु में थे, लेकिन उनका नाम भी शामिल कर दिया गया है... उन्होंने कहा कि 卐हम चाहते हैं कि हर दिन संविधान दिवस की तरह मनाया जाए और जिस तरह की घटना हमने देखी है और जिस तरह से हमारे चुनाव अभी संपन्न हुए हैं और जिस तरह की घटनाएं हमने इन चुनावों में देखी हैं, संभल की घटना भी, कहीं न कहीं ये बीजेपी वाले नहीं चाहते कि ये देश संविधान से चले, इसीलिए हम आज अंदर नहीं गए हैं बल्कि हमने आज कार्यालय में संविधान की शपथ ली है। उधर, हिंसा के बाद अब हालात सामान्य हो रहे हैं। बाजार खुल गए हैं। स्कूल भी खुले। हालांकि अभी इंटरनेट सेवा बहाल नहीं की गई है। हिंसाग्रस्त इलाके में पुलिस बल तैनात है। कड़ी निगरानी की जा रही है। उधर, सपा का प्रतिनिधि मंडल आज संभल नहीं जाएगा। डीआईजी मुनिराज जी ने बताया कि हिंसाग्रस्त इलाकों में दुकानें खुल गई हैं। लोगों का आवागमन सुचारु रूप से चल रहा है। रविवार दोपहर से बंद की गई इंटरनेट सेवा अब तक बहाल नहीं हो सकी है। जिला प्रशासन के अनुसार, मंगलवार शाम चार बजे तक इंटरनेट सेवा बंद रहेगी। पुलिस अब भी संभल बवाल से जुड़े मामलों में सतर्कता बरत रही है। वीडियो फुटेज के आधार पर उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। पुलिस ने पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की है। प्रमुख इलाकों में गश्त जारी है। संभल बवाल के तीसरे दिन भी पुलिस ने अपनी सतर्कता बनाए रखी। संभल तिराहे पर पुलिस बल के साथ वाहनों की चेकिंग जारी है। संभल की ओर जाने वाले सभी छोटे-बड़े वाहनों को रोका गया और उनकी गहन जांच की गई। इसके साथ ही, भीड़ लगाकर खड़े लोगों को भी रोक-टोक कर नियंत्रित किया गया। सपा सांसद और विधायक के बेटे समेत 2500 पर एफआईआर- संभल में बवाल के दूसरे दिन सोमवार को शांति के बीच पुलिस ने सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क, विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल समेत 2500 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। बर्क और सुहेल पर बलवा कराने की साजिश का आरोप है। वहीं तीन महिलाओं समेत 27 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं जामा मस्जिद के सदर जफर अली एडवोकेट को पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया। सीओ अनुज चौधरी, एसपी के पीआरओ संदीप कुमार, दरोगा दीपक राठी और शाह फैसल की तहरीर पर संभल कोतवाली में पांच और नखासा थाने में दो मुकदमे दर्ज किए गए। इसमें 2500 लोगों को आरोपी बनाया गया है। - तीन महिलाओं समेत 27 आरोपियों को भेजा जेल- ,उधर, गिरफ्तार तीन महिलाओं समेत 27 आरोपियों को लेकर मेडिकल परीक्षण कराने पुलिस संभल के सरकारी अस्पताल पहुंची। अस्पताल के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद मुरादाबाद जेल भेज दिया। बवाल के दूसरे दिन प्रभावित मोहल्लों में सन्नाटा पसरा रहा। दिनभर पुलिस की गाड़ियां दौड़ती रहीं। पुलिस-प्रशासन के अधिकारी लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील करते रहे। उपद्रवियों की पहचान के लिए पुलिस सीसीटीवी फुटेज और ड्रोन से लिए गए फोटो व वीडियो खंगाल रही है। बवाल में जान गंवाने वाले नईम, बिलाल और कैफ के शवों को पोस्टमार्टम के बाद रविवार देर शाम ही पुलिस ने अलग-अलग कब्रिस्तानों में सुपुर्द-ए-खाक करा दिया था। रोमान के परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम ही शव को दफन कर दिया। बता दें कि रविवार की सुबह कोर्ट कमिश्नर जामा मस्जिद का सर्वे करने के लिए पहुंचे तो मस्जिद के आसपास भीड़ एकत्र हो गई थी। सुबह करीब साढ़े आठ बजे पुलिस ने भीड़ को हटाने का प्रयास किया तो बवाल शुरू हो गया था। इसमें पांच लोगों की जान चली गई थी।

संविधान दिवस के कार्यक्रम में अचानक बंद हुआ राहुल गांधी का माइक, पार्टी नेताओं ने की नारेबाजी

राहुल गांधी कई बार संसद में उनका माइक बंद करने का आरोप लगा चुके हैं। अब खुद उनकी ही पार्टी के कार्यक्रम में माइक बंद होने पर राहुल गांधी भी मुस्कुराते दिखाई दिए। संविधान दिवस के मौके पर राहुल गांधी ने तालकटोरा स्टेडियम में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन

जैसे ही राहुल गांधी ने बोलना शुरू किया, पार्टी नेताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। उनका माइक बंद करने का आरोप लगा चुके माइक बंद होने पर राहुल गांधी भी मुस्कुराते जनगणना की बात- माइक के चालू होने शुरू किया तो उन्होंने कहा कि इस देश में कांग्रेस पार्टी द्वारा किया गया था। हालांकि तभी उनका माइक बंद हो गया। जिसके बाद गौरतलब है कि राहुल गांधी कई बार संसद में हैं। अब खुद उनकी ही पार्टी के कार्यक्रम में दिखाई दिए। राहुल गांधी ने फिर दोहराई जातीय के बाद जब राहुल गांधी ने फिर से बोलना जो भी दलितों और पिछड़ों की बात करता है, उसका माइक इसी तरह से बंद हो जाता है। राहुल ने कहा कि चाहे कितने भी माइक बंद कर लो, लेकिन मुझे कोई भी बोलने से नहीं रोक सकता। कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने जातीय जनगणना की मांग फिर दोहराई। उन्होंने कहा कि देश के शीर्ष उद्योगपतियों में कोई भी दलित, पिछड़ा या आदिवासी वर्ग से नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि कुछ दिन पहले हमने तेलंगाना में जातिगत जनगणना से जुड़ा काम शुरू किया। इसमें जो सवाल पूछे जा रहे हैं, वो प्रदेश के दलितों, पिछड़ों, गरीबों ने मिलकर तय किए हैं। मतलब तेलंगाना की जनता ने जातीय जनगणना का प्रारूप डिजाइन किया है। ये एक ऐतिहासिक कदम है। हमारी जहां भी सरकार होगी, हम इसी पैटर्न से जातिगत जनगणना करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है, ये हिंदुस्तान की हजारों साल की सोच है। इसमें गांधी जी, आंबेडकर, भगवान बुद्ध, फुले जैसे महान लोगों की आवाज है, लेकिन सावरकर की आवाज नहीं है। संविधान में कहीं नहीं लिखा कि हिंसा का प्रयोग करना चाहिए। किसी को मारना या डराना चाहिए। झूठ बोलकर सरकार चलानी चाहिए।

संपादकीय Editorial

The noose of government hotels

The employees are not always an organization, they are also a step in the journey of the government. It is not necessary that sighs come out from every office, rather somewhere between the files, there is an eye on the state. The work culture settled among the failed houses of the government is not so worthless that it loses its status and pride. In the latest context, there are court orders hovering over government hotels and the shocks growing in the angry atmosphere, which the employees of the Tourism Corporation are facing. Ultimately, they had to plead that the Chief Minister himself should take up all the formalities of the corporation. If one wants to see the pain of HPTDC employees, then one has to understand the agony of all government hotels. One has to think how much political khichdi was cooked on their stove and whose leftovers on the restaurant plate defamed them. The employees say with confidence that the environment created to sell at a loss is fake and there is political selfishness behind it. The reasoning behind this is the dignity of the duty of the employees, because a few years ago, a similarly decorated cafe in Baijnath was sold despite its inherent highway tourism potential. Where tourists used to stay, there is now a pile of junk. Twice, the properties of the Tourism Corporation were built in Nurpur, but the Tourism Corporation itself got trapped in the incidents of sale. The Tourism Corporation was once identified by the dignified presence of the 'Jal Dhara' cafe in the vicinity of Bhagsunag, but political collusions uprooted its foundation and built a high-rise mall. After all, which leaders made these deals in the past and what is the guarantee that they will not happen in the future. The surprising thing is that a tourism complex is built at the cost of crores in Janjheli and then the fruits of this cost are handed over to private hands. In such a situation, the hands of that employee are not dirty, but every time the political birds have destroyed the courtyard of the Tourism Corporation. The concerns and allegations of the tourism employees seem justified. In fact, they are the witnesses as to why government hotels were turned into puppets for free. Even though the government had put a cabinet rank employee in the service of tourism in the distribution of its posts, now the headlines are defaming it as well. The employees have come forward because they do not want to be the charioteer of this story of decline, but want to remove the elephants trampling the courtyard of the tourism corporation. They want to eradicate the inefficiency that always spreads its tentacles through politics. Meanwhile, the recommendations of former IAS officer Tarun Shridhar have also come, which are preventing the buildings from becoming ruins. Although the 56 hotels of the tourism corporation are not the tourism industry of Himachal, but the adornment of the participation of the private sector in its entirety is paving the way for much better expectations. It is surprising that transport and tourism are kept on different scales, whereas there should be a single joint ministry to rescue both from losses. Here, the picture that the tourism employees have presented before the Chief Minister, an action plan is visible at its core. This is also because somewhere the tourism caravan had started to bring a new figure of five crore tourists and here the thorns of failure spread at the reception of the corporation. Ultimately, the thought is that if the hotels of the corporation are not getting populated even with the arrival of about two crore tourists at present, then the future should be found in this count too. The decision against the government hotels is like a stain on Himachal tourism and that is why what the employee organizations are saying should be heard.

India is becoming a stronghold of medical tourism, Ayurveda is also popular along with modern medicine

Medical Tourism In India The government should make a clear policy to promote medical tourism which includes proper rules, regulations and incentives. India should also run a marketing campaign at the international level to promote its medical tourism. India can also give impetus to medical tourism by adopting telemedicine e-consultation and other digital health services. Whether it is the recent decision to include Ayurveda Biology as a subject in UGC NET or the demand before the Supreme Court to include traditional medicine in the PM Jan Arogya Yojana, it shows that the importance of Ayurveda and traditional medicine is increasing. Its proof was also found when the news came that Britain's King Charles came to a modern sanatorium near Bangalore along with his wife Camilla for health benefits. Nothing could be better than the fact that along with cheap and successful treatment by modern medicine, treatments like traditional Indian medical systems like Ayurveda, naturopathy, dietetics are becoming popular among foreigners. Yoga is already popular all over the world. In this context, it should also be remembered that the daughter of former Prime Minister of Kenya Raila Odinga regained her eyesight due to the treatment provided by Sridhariyam Ayurvedic Eye Hospital in Ernakulam, Kerala. This was nothing less than a miracle. After this, a large number of patients from African countries started coming to India for Ayurvedic treatment. I often go to Dehradun. Every time I meet many foreigners there. On talking to them, it is known that most of them have come to Haridwar, Rishikesh, Dehradun or nearby hospitals. Some come for months. It cannot be ignored that the world's trust in Ayurveda increased during the Corona period. Due to this, the demand for Ayurvedic medicines has increased in many countries of the world. Today, herbal products of India are reaching about a hundred countries. The importance of Ayurveda has also been acknowledged by the World Health Organization. This is the right time to promote research in Ayurveda as well as other traditional systems of medicine. Now it is being proved that health can be taken care of through food. Coarse and small grains have an important role in this. Padmashree Dr. Khadravali, who is known as Milletsman, claims that treatment of many diseases is possible with millets. He says that by using only millets for six weeks to six months, success is achieved in the treatment of many diseases. In India for the last few years, lakhs of patients are coming every year from South Asian countries as well as Africa, Central Asia and Gulf countries as well as Western countries for successful treatment of heart disease, bone disease, kidney and liver transplant and all heart diseases. For the past few years, a large number of foreigners have started coming to get treatment in modern hospitals of Delhi-NCR, Mumbai, Bengaluru, Chandigarh etc. Indians settled all over the world are also preferring to get their treatment done in the country. Due to this, India is becoming a stronghold of medical tourism. Renowned plastic surgeons of the country say that every month foreigners come to them for treatment of burn injuries, hair transplant and to get their loose skin fixed. We should adopt such policies that more and more foreign patients come to India for treatment. Their coming to India will also earn the country precious foreign currency. Whenever a patient comes to India, two-three attendants also come with him. They stay here for months. Patients from abroad are also coming to India because here patients get the best pre and post-surgery facilities at a much lower cost than Europe or America. India has qualified medical professionals and state-of-the-art equipment. Apart from this, India provides less expensive treatment options than America and Britain without compromising on the quality of health services. The cost of treatment in India is about one-fourth of that of America. If we proceed carefully on this front, then foreigners will start turning to India for treatment instead of countries like Thailand, Singapore and Japan. Medical tourism is an annual business of billions of dollars. India will have to strengthen its hold on this. India has a lot of possibilities in this field, because people from all over the world have started crossing the borders of their countries for better treatment. In a program related to G-20 held in Goa, it was told that in 2022, 14 lakh foreigners came to India for treatment. This figure itself proves that the world's trust in India's medical facilities is increasing, but we will have to take measures to call up to one crore foreign patients every year for treatment by 2030. To achieve this goal, India should ensure the availability of quality medical services by building hospitals and clinics in accordance with international standards. The government should make a clear policy to promote medical tourism, which includes proper rules, regulations and incentives. India should also run a marketing campaign at the international level to promote its medical tourism. India can also give impetus to medical tourism by adopting telemedicine, e-consultation and other digital health services. India has to pay more attention to the promotion of Ayurveda and its other traditional medical systems along with modern medicine. It will be a big benefit that a large number of youth will get employment.

The Constitution is a document of the hearts of the people, Indian values ??of life are kept at the center

With the intention of strengthening the Indian Constitution and democracy, many steps have been taken by Prime Minister Modi. In the very next year of coming to power, i.e. in 2015, Prime Minister Modi started celebrating 26 November, which was neglected for decades, as 'Constitution Day' at the national level. This shows how deep respect he has for the Indian Constitution. The Indian Constitution is the basic foundation of India's democracy. Today, India's modern democracy has completed a glorious journey of 75 years and is moving on the path of progress. Our Constitution has been established at the center of this 75-year journey. It is worth noting that our Constitution makers had kept the beliefs of Indian values ??of life, modern governance and fulfillment of future hopes and aspirations at the center in the creation of the Constitution. Our Constitution was dedicated to the people of the country on 26 November 1949 as a document to achieve these goals. From this point of view, 26 November should have been recorded as an important date in Indian history, but unfortunately this could not happen for a long time. The Congress, which was in power at the Centre for decades after independence, never considered the historical importance of 26 November. In fact, the Congress leadership considered maintaining dominance and control over power as the main objective of democracy. They continued to celebrate Independence Day (15 August) and Republic Day (26 January), but limited important occasions like 'Constitution Day', when the country adopted the Constitution, to the judiciary alone. The Constitution is not just a judicial or legal document, but it represents the hopes and aspirations of the people of India. In this sense, it is a document of the hearts of every citizen of the country. Ignoring 'Constitution Day' is one issue. Otherwise, the attitude of the Congress has been anti-Constitution in every way. Congress has been making many efforts to weaken the Constitution from time to time. During its rule, the Congress tried to bring an amendment on what changes the government can make in the Constitution? It is worth mentioning that during the historic hearing of the Kesavananda Bharati case in the Supreme Court on this very subject, the Constitutional Bench of 13 judges of the Supreme Court had held that 'the power to amend does not include the power to change the basic structure or outline of the Constitution, thereby changing its very essence.' Then Justice Sikri had said in the hearing that the term 'amendment in the Constitution' does not enable the Parliament to abolish or take away the fundamental rights or completely change the fundamental features of the Constitution, thereby destroying its very identity. Rather, the Parliament can amend every article only within these limits. It is clear that the court has set limits regarding amendments. Otherwise, the intention of the Congress governments of the past was to make arbitrary changes in the Constitution. This was also done by the Congress during the dark period of Emergency, when the Indira Gandhi government changed the basic preamble of the Constitution. It is clear that for the Congress, our Constitution has been only a tool to gain power, the feeling of respect for the Constitution is not in the character of the Congress. Since coming to power in 2014, Prime Minister Narendra Modi's government has been striving to fulfill the Constitution's concept of social, economic and political justice. Many steps have been taken by Prime Minister Modi with the intention of strengthening the Indian Constitution and democracy. In the very next year of coming to power, i.e. in 2015, Prime Minister Modi started celebrating 26 November, which was neglected for decades, as 'Constitution Day' at the national level. This shows how much respect he has for the Indian Constitution. The Modi government has done the work of strengthening the federal structure contained in the Constitution by redefining the relationship between the Center and the State and creating a system with better coordination and dialogue. Not only this, the work of developing the places related to the Constitution maker Baba Saheb Ambedkar as Panchtirtha in his honor has also been done by Prime Minister Narendra Modi's government. All these works reveal Prime Minister Narendra Modi's respect and commitment towards the Indian Constitution. Republic, secularism, strong electoral system, federal structure, fundamental rights, fundamental duties, social, economic and political justice are such standards of the Constitution, which it is the duty of every government to fulfill. These are not orders of the government, but the mandate given by the sovereign people of India to any elected government. Therefore, the question arises that when the Constitution is so clear, is it a sign of a healthy democracy to raise a debate on the basic spirit of the Constitution only for political gain? The Constitution is the guiding element for all citizens in India. It is unfortunate that the opposition is doing very cheap politics even on this holy book. The Congress, which could never respect the Constitution while being in power, is today sitting in the opposition and spreading the illusion that the Modi government will abolish the Constitution. Is spreading such untruth and illusion not against democracy? The truth is that parties like the Congress have lost their basic political ideology today and they do not have the ability to say that 'how will they run the government of India under the Constitution?' Congress, with its Gandhian ideology and parties like the Samajwadi Party, They have forgotten socialism and the basic ideas of Ram Manohar Lohia ji. Now their only aim is to grab power by any means, but the people of India are very wise. They are able to understand these political tricks of the opposition very well and from time to time they keep giving appropriate answers to these tricks with the power of their votes.

दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच

जहां स्थापित की गई थी चौकी... वहीं हुआ पथराव; इसलिए दिया था चौकी का यह नाम

मुरादाबाद। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर इसका नाम एकता चौकी रखा था। इस क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द की दृष्टि से अच्छे माहौल के चलते उन्होंने ऐसा किया था। लेकिन रविवार को शहर के साथ-साथ यहां भी बवाल हुआ। नखासा क्षेत्र में एकता पुलिस चौकी संभल में सौहार्द की

मिसाल के रूप में स्थापित की गई थी। 2022 से पहले इसका नाम नखासा पुलिस चौकी ही था। 2022 में तत्कालीन एसपी चक्रेश मिश्र ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर इसका नाम एकता चौकी रखा था। इस क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द की दृष्टि से अच्छे माहौल के चलते उन्होंने ऐसा किया था। रविवार को शहर में बवाल हुआ तो यह चौकी शर्मसार हो गई। चूंकि इस क्षेत्र में भी पथराव हुआ। जहां आम नागरिकों के साथ पुलिसकर्मियों को भी चोटें आईं। एकता पुलिस चौकी के पास मो. कदीर फलों का ठेला लगाते हैं।उन्होंने बताया कि पिछले कई वर्षों से यहां शांति रहती है। सब लोग मिलकर रहते हैं। इस क्षेत्र में ज्यादातर फलों के ठेले लगते हैं और भीड़ के कारण बाइक सवारों का निकलना भी मुश्किल रहता है, लेकिन रविवार को हुई घटना के बाद सड़क पर सन्नाटा पसरा था। अकेले कदीर का ठेला ही वहां नजर आ रहा था। एकता पुलिस चौकी के पास से हर साल रामलीला के दौरान श्रीराम राजगद्दी शोभायात्रा निकलती है। क्षेत्र के लोग उसका स्वागत करते हैं। लोगों के आपसी प्रेम को देखते हुए पुलिस चौकी का नामकरण किया गया था, लेकिन रविवार की घटना ने इस पर तोहमत लगा दी। स्थानीय निवासी जफर इकबाल ने बताया कि रोजाना की तरह मंडी से वह अपने साथियों के संग फल लेकर लौटे। रविवार को भी ठेला लगाने की तैयारी थी। इसी बीच शहर में जामा मस्जिद के पास तनाव की खबर फैल गई। बवाल की आशंका को देखते हुए उन्होंने ठेला नहीं लगाया। लोगों का डर सही साबित हुआ और दोपहर से पहले क्षेत्र में पथराव हो गया। इसके बाद से एकता चौकी के पास भारी पुलिस बल तैनात है। इक्का-दुक्का लोग ही घरों से बाहर निकले रहे हैं। सोमवार को क्षेत्र में लोगों ने दुकानें नहीं लगाईं। लोगों की जमघट से भरी रहने वाली चाय की दुकानें भी खामोश रहीं। लोगों ने बताया कि 31 अक्तूबर 2022 को एसपी ने चौकी में सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया था। देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाले पटेल से उन्होंने लोगों की एकता को जोड़ा था। रविवार को हुए पथराव के बाद से आम नागरिक भी दुखी हैं। उनका कहना है कि इससे कारोबार पर असर पड़ा है और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है।

बिलाल की पीठ... नईम, कैफ के सीने में लगी गोली; अयान के लिवर, फेफड़े-दिल को चीरकर बाहर निकली

मुरादाबाद- संभल हिंसा में पांच लोगों की मौत हुई, जिनमें से चार की गोली लगने से जान चली गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह पता चला कि चार शवों में गोली लगी थी, लेकिन गोली चलाने वालों और उनके हथियारों का अब तक पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि चारों की मौत उपद्रवियों की ओर से की गई फायरिंग में हुई। संभल में बवाल के बाद तमाम सवाल अब भी पहेली बने हैं। बवाल में जिन पांच लोगों की मौत हुई, उनमें चार की जान गोली लगने से गई। यह गोलियां कितने हथियारों से चलीं और किसने चलाई, इसका जवाब पुलिस के पास नहीं है। हालांकि, मृतकों के परिजन पुलिसकर्मियों पर ही आरोप लगा रहे हैं। संभल में रविवार सुबह जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुए बवाल में पांच लोगों की जान गई। मोहल्ला हयातनगर निवासी रोमान को छोड़कर अन्य सभी के शवों के पोस्टमार्टम कराए गए। पोस्टमार्टम से पता चला है कि गोली बिलाल की पीठ में लगी थी। यह गोली सीने से बाहर निकल गई। वहीं कैफ के सीने में गोली लगी और पीठ से बाहर निकल गई। इसके अलावा अयान और नईम के भी सीने में गोली लगी। रोमान के परिजन पुलिस को सूचना दिए बिना ही शव लेकर चले गए और दफन कर दिया। रोमान के परिजनों ने गोली लगने की बात से भी इन्कार किया। माना जा रहा है कि भगदड़ में गिरने या पत्थर लगने से जान चली गई। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि गोली किस ओर से चलीं और गोली चलाने वाले कितने लोग थे। मृतकों के परिजनों का कहना है कि पुलिस ने ही गोली चलाई। उन्होंने आरोप है कि पुलिसकर्मी सीधे गोली चला रहे थे। फायरिंग उपद्रवियों की ओर से ही की गई थी।

मण्डलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण, मुरादाबाद की कमिश्नरी सभागार बैठक आयोजित हुई।

मुरादाबाद- बैठक में मण्डलायुक्त ने निर्देश दिए कि जनपद में इलैक्ट्रिक बसों का संचालन मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के क्षेत्र से बाहर न किए जाए, इसको सुनिश्चित किया जाये। मण्डलायुक्त द्वारा आर.टी.ओ. मुरादाबाद को हाईवे पर चलने वाले ई-रिक्शा को सीज कराए जाने हेतु उचित कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिना पंजीकरण वाले ई-रिक्शाओं पर सख्त कार्यवाही की जाए। बैठक में मण्डलायुक्त ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए मुरादाबाद शहर में ई-रिक्शा के लिए जोनिंग सिस्टम जल्द से जल्द लागू किया जाये। उन्होंने एसपी सिटी एवं आरटीओ को एक ज्वाइंट टीम बनाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कोई भी नियम का उल्लंघन न करें और गलत करने वालों पर त्वरित कार्यवाही की जाए। मुख्य विकास अधिकारी मुरादाबाद श्री सुमित यादव, उप-परिवहन आयुक्त परिक्षेत्र बरेली श्री संजय सिंह, आर0एम0 रोडवेज श्रीमती ममता सिंह, आर.टी.ओ. (प्रशासन) मुरादाबाद श्री राजेश सिंह, आर.टी.ओ. (प्रर्वतन) श्री प्रणव झा, एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें। आज संविधान दिवस के अवसर पर कलेक्टेऊट सभागार में भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर कलेक्टेऊट सभागार में प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर लखनऊ से प्रसारित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण के अवलोकन उपरान्त संविधान निर्माता डा0 भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण/पुष्पार्जन कर संविधान दिवस के अवसर पर प्रस्तावना का पाठ्न कर शपथ ली गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री सुमित यादव, अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री गुलाब चन्द, अपर जिलाधिकारी नगर ज्योति सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री सत्यम मिश्र सहित, ए0सी0एम0 प्रथम, ए0सी0एम0 द्वितीय अन्य अधिकारीगण व कलेक्टेऊट कर्मचारीगण उपस्थित रहें। आज संविधान दिवस के अवसर पर कमिश्नरी सभागार में भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर कमिश्नरी सभागार में मण्डलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह द्वारा संविधान निर्माता डा0 भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण /पुष्पार्पण कर संविधान दिवस की प्रस्तावना का पाठ्न किया गया। इस अवसर पर अपर आयुक्त प्रथम श्री सर्वेश कुमार गुप्ता, अपर आयुक्त द्वितीय श्री शशि भूषण सहित कमिश्नरी अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण मौजूद रहें। अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन ने बताया कि राज्य सरकार के सरकारी सेवकों की सेवानिवृत्ति पर उनकी पेंशन, पारिवारिक पेंशन, ग्रेच्युटी, राशिकरण, बीमा आदि के भुगतान में हो रहे विलम्ब एवं समस्याओं के निस्तारण हेतु दिनांक 03 दिसम्बर 2024 को पूर्वान्ह् 11:30 बजे आयुक्त सभागार कक्ष में मण्डलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में 76वीं पेंशन अदालत का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे सभी पेंशनरों से अपेक्षित है कि निर्धारित प्रारुप अपने जनपद से संबंधित कोषागार से प्राप्त कर तथा उसे पूर्ण कर संबंधित कोषागार अथवा कार्यालय अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन मुरादाबाद मण्डल, मुरादाबाद में दिनांक 28 नवम्बर 2024 तक तीन प्रतियों में प्राप्त करा दें। उन्होंने बताया कि वाद प्रस्तुत करने वाले व्यक्तियों से यह अपेक्षित है कि वाद की एक-एक प्रति अपने सेवानिवृत्ति कार्यालय व विभागाध्यक्ष को अनिवार्य रुप से उपलब्ध करा दें। ऐसे पेंशनर जिन्होंने पूर्व में ही पेंशन अदालत में अपना वाद योजित कर खा है उन्हें पुनः वाद योजित करने की आवश्यकता नही है उनके वाद पत्रों पर अलग से कार्यवाही की जा रही है। अपर जिला मजिस्टेऊट वित्त एवं राजस्व श्री सत्यम मिश्र ने बताया कि प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन राज्य कर लखनऊ द्वारा शासनादेश दिनांक 08 अक्टूबर 2024 के माध्यम से प्रदेश में बंद पड़े अथवा घाटे में चल रहे छविगृहों को पूर्ण रुप से तोड़कर उसके स्थान पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त लघुक्षमता के सिनेमाहाल सहित व्यावसायिक काम्प्लेक्स के निर्माण, पुराने बंद पड़े एवं संचालित सिनेमाघरों के भवन की आन्तरिक संरचना में परिवर्तन (रिमॉडल) कर पुनः संचालित होने वाले सिनेमाघरों, प्रदेश में बंद पड़े एकल सिनेमाघरों को बिना किसी आन्तरित संरचना में परिवर्तन किए यथास्थिति में पुनः संचालित करने वाले सिनेमाघरों, व्यावसायिक गतिविधियों सहित/रहित, न्यूनतम 75 आसान क्षमता के एकल स्क्रीन सिनेमाघरों के निर्माण, जिन जनपदों में एक भी मल्टीप्लेक्स निर्मित/संचालित नही है वहां मल्टीप्लेक्स खुलवाने, जिन जनपदों में मल्टीप्लेक्स निर्मित/संचालित है, उन जनपदों में नवीन मल्टीप्लेक्स निर्माण एवं सिनेमाघर/मल्टीप्लेक्स के उच्चीकरण हेतु समेकित प्रोत्साहन योजना जारी की गयी है। मुरादाबाद में संपर्क स्थापित कर सकते है।

ठंड से निराश्रितों को बचाने के लिए जिले में 17 रैन बसेरों में रहेगा प्रबंध

महानगर क्षेत्र में 9 स्थाई और दो अस्थाई सहित 11 व अन्य नगरीय निकायों में 6 शेल्टर होम चिह्नित, जिलाधिकारी की एडवाइजरी के बाद बढ़ी सक्रियता

मुरादाबाद। भोजपुर थाना क्षेत्र के राणा शुगर मिल में गन्ना लेकर गए युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से इलाके में हड़कंप मचा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। परिवार वालों ने शुगर मिल मालिक पर हत्या का आरोप लगाया है। युवक की मौत सूचना मिलते ही परिवार में मचा कोहराम। ठंड

व शीतलहर से निराश्रितों, असहायों व गरीबों को निगम के 11 सहित अन्य निकायों को मिलाकर कंबल व रजाई आदि का प्रबंध करने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। दिसंबर व जनवरी में निकायों के अधिकारी भी तैयारी में लगे हैं। नीचे रात न बितानी पड़े इसको देखते हुए जिले में रही हैं। रात में इन रैन बसेरे में आकर अपनी पहचान नगर निगम के नियंत्रण में महानगर में 9 स्थाई और कुंदनपुर, हरथला जाटव बस्ती, हरथला गंगा मंदिर लिए रैन बसेरा मऊ में स्थाई रूप से रैन बसेरे का पर सभी व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा रैन बसेरा नगर निगम की ओर से संचालित होना गांधी पार्क बिलारी, रेलवे स्टेशन के पास बस स्टैंड आईएचएसडीपी कॉलोनी मूंढोपार वार्ड नंबर 16 की ओर से अस्थायी शेल्टर होम संचालित कर प्राधिकरण के जिला आपदा विशेषज्ञ सुजीत गौतम

बचाने के लिए जिला प्रशासन की निगरानी में नगर 17 रैन बसेरे में प्रबंध किया जा रहा है। इनमें बिस्तर, जिलाधिकारी अनुज सिंह ने एडवाइजरी जारी कर कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन के साथ निराश्रितों, असहायों व गरीबों को खुले आसमान के 17 रैन बसेरे संचालित करने की सभी तैयारियां की जा दिखाकर जरूरतमंद आश्रय पा सकते हैं। इसके लिए 2 अस्थाई रैन बसेरा संचालित होगा। इसमें रेलवे स्टेशन, शेल्टर होम, दस सराय, काजीपुरा, कुंदनपुर में पुरुषों के संचालन शीतकाल में होता है। इस बार भी इन स्थानों नया रोडवेज बस स्टेशन और पुराना बस अड्डा पर अस्थायी है। इसके अलावा अन्य निकायों में बिलारी तहसील के कुंदरकी में स्थायी और ठाकुरद्वारा तहसील के और नगर पालिका परिषद ठाकुरद्वारा पर नगर पालिका सभी व्यवस्था पूरी की जा रही हैं। जिला आपदा प्रबंध ने बताया कि जिले में निराश्रितों, गरीबों व असहायों

को ठंड व शीतलहरी से बचाने के लिए 17 शेल्टर होम संचालित होंगे। इसके साथ ही नगर निगम सहित अन्य नगरीय निकायों के अधिकारियों को ठंड से बचाव के अन्य सभी उपाय जैसे कंबल वितरण, अलाव जलवाने का उपाय करने का निर्देश जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण की ओर से दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

संविधान की मूल भावना को अक्षुण्ण रखना सभी नागरिकों का कर्तव्य

संविधान के मूल में हैं हम भारत के लोग, हमें संविधान सम्मत कार्य करना होगा

मुरादाबाद। भारतीय संविधान दिवस पर मंडलायुक्त आन्जनेय

कुमार सिंह ने नागरिकों को संवैधानिक अधिकारों के साथ ही अपने कर्तव्यों के पालन की भी सीख दी। उन्होंने बताया कि आज देश में संविधान दिवस मनाया जा रहा है। संविधान जहां हमें संवैधानिक अधिकार प्रदान करता है वहीं इसमें वर्णित नागरिकों के मूल कर्तव्यों के पालन करने के लिए भी प्रेरित करता है। इसलिए देश के हर नागरिक को देश के विकास, शक्तिशाली बनाने में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करना चाहिए। संविधान की मूल भावना को अक्षुण्ण रखते हुए हमें नागरिक कर्तव्यों को निभाना चाहिए। मंडलायुक्त ने कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि हम संविधान का सम्मान करते हुए संविधान सम्मत कार्य कर देश के विकास में अपने कर्तव्यों को ईमानदारी व निष्ठा से निभाएं। मंडलायुक्त ने नागरिकों को भारतीय संविधान दिवस की शुभकामनाएं दीं।

राणा शुगर मिल में गन्ना लेकर गए युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, हत्या का आरोप

मुरादाबाद। भोजपुर थाना क्षेत्र के राणा शुगर मिल में गन्ना लेकर

गए युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से इलाके में हड़कंप मचा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। परिवार वालों ने शुगर मिल मालिक पर हत्या का आरोप लगाया है। युवक की मौत सूचना मिलते ही परिवार में मचा कोहराम।

जेल में बंद ठगी के आरोपी की मौत, परिवार में मचा कोहराम

मुरादाबाद। मुरादाबाद जिला कारागार में ठगी के आरोप में बंद समाजवादी पार्टी युवाजन सभा के पूर्व प्रदेश सचिव छजलैट थाना क्षेत्र के ग्राम मथाना निवासी रवि कुमार यादव (35) पुत्र महिपाल सिंह की मंगलवार सुबह जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। जेल में तबियत खराब होने के बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सूचना पर पहुंची सिविल लाइन थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।माना जा रहा है कि रवि कुमार की हार्ट अटैक से मौत हुई है। भाई विवेक ने बताया मृतक रवि को थाना सोनकपुर से पैसे के लेनदेन को लेकर 29 जून को जिला कारागार में भेजा गया था। मंगलवार सुबह जिला कारागार प्रशासन के द्वारा उसकी मौत होने की सूचना दी गई है। रवि के परिवार मे पत्नी प्रीति, एक ढाई वर्षीय पुत्री वानिया और एक दो महीने के पुत्र समक्ष हैं। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक पीपी सिंह ने बताया कि 29 जून 2024 को कोर्ट के आदेश पर रवि कुमार को न्यानिक अभिरक्षा में जेल में दाखिल कराया गया था। मंगलवार सुबह उसकी हालत बिगड़ गई। जेल अस्पताल के डॉक्टर की परामर्श से उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां सुबह करीब 10-55 बजे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

राष्ट्रीय आवहन पर आज श्रावस्ती में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी को सौपा गया ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती जिला अध्यक्ष अजय कुमार चौधरी भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में राष्ट्रीय आवाहन पर जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी को राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपति मुर्मू के नाम 12 सूत्रीय ज्ञापन

दिया गया जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अवगत कराते हुए कहा गया कि हम मजदूर और किसान आज पूरे देश में अपने मुद्दे को उजागर करने और निवारण की मांग के लिए संयुक्त रूप से विरोध कर रहे हैं हम यह ज्ञापन आपको इस उम्मीद के साथ भेज रहे हैं कि आप देश के इन दो प्रमुख उत्पादक शक्तियों के पक्ष में हस्तक्षेप करेंगी हमने 26 नवंबर को लामबंदी के माध्यम से विरोध दिवस के रूप में चुना है क्योंकि यह वह दिन है जब ट्रेड यूनियनो ने मजदूर विरोधी चार श्रम सहिताओं के विरोध में राष्ट्रव्यापी हड़ताल की थी और किसानों ने 2020 में तीन कृषि कानून के खिलाफ संसद की ओर अपना ऐतिहासिक मार्च शुरू किया था और किसानों के लंबे संघर्ष के पास जब कृषि कानून वापस लिया था तब किसानों से किये वादे आज तक पूरे नहीं हुए हैं इसी बात को लेकर किसानों ने अपने मांग पत्र में किसानों से संबंधित 12 बिंदुओं का मांग पत्र जिला अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति महोदया के नाम दिया जिसमे जिलाध्यक्ष अजय कुमार चौधरी उपाध्यक्ष प्रमोद तिवारी धनीराम आजाद अम्बिका प्रशाद पटेल तहसील अध्यक्ष हरिद्वार प्रशाद यादव जमुना प्रशाद विश्कर्मा जिलामिडिया प्रभारी विजय कुमार सहित जनपद के सभी पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे

पं. राधेश्याम कथावाचक की 134 वीं जयंती पर हरिओम गौतम को कथावाचक श्री की उपाधि से सम्मानित किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में बिहारीपुर खत्रियान स्थित कार्यालय पर पंडित राधेश्याम कथावाचक की 134 वीं जयंती पर बरेली के विद्वान हरिओम गौतम को 卐 कथावाचक श्री 卐 की उपाधि से राष्ट्रीय अध्यक्ष इंद्रदेव त्रिवेदी, राष्ट्रीय प्रवक्ता अजयराज शर्मा ,

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मदन लाल शर्मा और मंडल महामंत्री विशाल शर्मा ने उत्तरीय, पगड़ी, स्मृति चिन्ह् और मेडल भेंट कर सम्मानित किया।अपने सम्मान पर हरिओम गौतम ने अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा का आभार व्यक्त किया और कहा कि पंडित राधेश्याम कथावाचक बरेली की ही नहीं बल्कि पूरे देश की शान थे। मुझे कथावाचक श्री की उपाधि से सम्मानित होने पर मैं अपने को धन्य मानता हूं।विचार गोष्ठी का प्रारंभ जिला उपाध्यक्ष राकेश शर्मा गुरु की गणेश वंदना और प्रमोद मिश्रा की गायत्री मंत्र के वाचन से हुआ। उपस्थित सभी लोगों ने पंडित राधेश्याम कथावाचक के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष इंद्रदेव त्रिवेदी ने संबोधित करते हुए कहा कि पंडित राधेश्याम कथावाचक का विपुल साहित्य और वे स्वयं भारतीय साहित्य एवं समाज की धरोहर हैं। हम लोगो का सौभाग्य है कि वे बरेली के अभिन्न अंग रहे और कीर्त पताका देश एवं विदेश में फहराई। मंडल महामंत्री विशाल शर्मा ने पंडित राधेश्याम कथावाचक का जीवन परिचय बताया और कहा कि उन्होंने अपनी अनूठी राधेश्याम रामायण से तुलसीदास जैसे लोकप्रिय हुए। विशाल शर्मा ने उनके साहित्य की भी जानकारी दी।राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मदन लाल शर्मा ने पंडित राधेश्याम के अठारह नाटकों की पारसी शैली का विवरण देते हुए कहा कि वीर अभिमन्यु की प्रशंसा मुंशी प्रेमचंद ने भी की थी।

महिला कल्याण विभाग, शामली द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में ''वीरांगना दिवस कार्यक्रम'' कार्यक्रम आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। महिला कल्याण विभाग, शामली द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में मिशन शक्ति फेज 5.0 के अन्तर्गत मेगा इवेन्ट ''वीरांगना दिवस कार्यक्रम'' के द्वारा जनपद शामली में समाज में बदलाव हेतु प्रयासरत महिलाओं की प्रेरक कहानियों के माध्यम से जागरूकता सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

किया गया। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर जिलाधिकारी शामली, श्री अरविन्द कुमार चौहान, मुख्य विकास अधिकारी श्री विनय कुमार तिवारी, एसडीएम शामली/जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री हामिद हुसैन द्वारा जनपद में अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली नारी शक्ति को सम्मानित किया गया।आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान ने कहां कि दुर्गा की पूजा कई रूपों में होती है वह नारी शक्ति है जिसकी पूजा हम 09 दिन तक करते हैं। उन्होंने कहा कि नारी तो अपने आप में शक्ति है उसको जिस रूप में चाहे उसे रूप में पाएंगे और देखा जाए तो घर में माता,पत्नी, बहन, बेटी सब नारी शक्ति का रूप है। उन्होंने सम्मानित की गई सभी नारी शक्ति को शुभकामनाएं देते हुए एक कहावत का भी जिक्र किया कि एक सफल पुरुष के पीछे नारी शक्ति का हाथ होता है। उन्होंने कार्यक्रम में सभी नारी शक्ति को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होते हुए आगे बढ़ाने की बात कही।आयोजित कार्यक्रम के अवसर मुख्य विकास अधिकारी श्री विनय कुमार तिवारी, एसडीएम शामली/जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री हामिद हुसैन, एसडीएम ऊन अर्चना शर्मा, साहयक श्रमायुक्त अचला पाण्डेय, बैसिक शिक्षा अधिकारी लता राठोर,तहसीलदार ऊन, महिला थाना प्रभारी निधि चौधरी, वन स्टॉप सेंटर की केन्द्र प्रशासक गजला सहित नारी शक्ति के रूप में डॉ नीलम शुक्ला आदि के अलावा जिला प्रोबेशन कार्यालय के कर्मचारीगण मौजूद रहें। आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी वीना अग्रवाल, डॉ रितु जैन द्वारा मिशन शक्ति को लेकर अपने विचार प्रस्तुत किया।

अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ ने मनाई भारतीय संविधान की 75 वीं वर्षगांठ

क्यूँ न लिखूँ सच -सिकंदर रजा

मुरादाबाद अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ मुरादाबाद के तत्वधान में भारतीय संविधान की 75 वीं वर्षगांठ प्लेटिनम जयंती समारोह कार्यक्रम का आयोजन सिविल लाइंस स्थित अंबेडकर पार्क मुरादाबाद में किया गया, बताया गया कि 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान को संविधान सभा

द्वारा पारित कर देश के नागरिकों को समर्पित किया गया था दरअसल कहा गया कि संविधान के कल्याणकारी प्रावधानों को वंचित समाज महिलाओं सहित देश के समस्त नागरिकों के जीवनस्तर में व्यापक सुधार हुआ है ,संविधान के नागरिकत्, निर्वाचन एवं अंतरिम संसद संबंधी प्रावधान इसी दिन से लागू हो गए थे यह संपूर्ण संविधान 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ आपको बता दें इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महावीर प्रसाद मौर्य एडवोकेट ने की तथा संचालन राष्ट्रीय महामंत्री श्रद्धेय रोहिताश कुमार ने किया कार्यक्रम में भयंकर सिंह, बौद्ध नेतराम सिंह ,मलखान सिंह, हरपाल सिंह, बौद्ध मुकेश गौतम, राम सिंह भारती, शशि बाली सिंह, भारती राम सिंह, गौतम, जितेंद्र सिंह ऋषिपाल सिंह ,मुन्नी देवी, प्रेमलता ,गौतम, शशि प्रभा मौर्य ज्ञानवती राजवती ,जयराम सिंह, सुनील कुमार, इंद्रजीत ,बौद्ध प्रेमचंद, प्रधान , आदित्य कुमार राम सिंह ,गौतम जवाहर सिंह, विमल धीर ,दौलत सिंह, चरन सिंह, मदन सिंह, आदि सैकड़ो की संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे अंत में संघ के अध्यक्ष द्वारा समस्त वक्ताओं का आभार व्यक्त किया गया और मंच से यह भी कहा गया कि नगर निगम द्वारा अपनी मनमानी करने से बाज नहीं आ रहा नगर आयुक्त अजीत कुमार सिंह द्वारा गौतम बुद्ध पार्क के आसपास दुकानो को लगाकर जमीन को घेरा जा रहा बताया गया कि गौतम बुद्धा पार्क हमारे देश की शान है लेकिन वहां पर वेंडिंग जोन बनाया जा रहा है पूरे मैदान में जहां एक तरफ अंतरराष्ट्रीय त्यौहार, जैसे बुद्ध पूर्णिमा, विजयदशमी, और अन्य धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम होते हैं लेकिन नगर निगम प्रशासन उस जमीन को छीनने का प्रयास किया जा रहा जिसका हम विरोध करते हैंअपने मांग पत्र में किसानों से संबंधित 12 बिंदुओं का मांग पत्र जिला अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति महोदया के नाम दिया जिसमे जिलाध्यक्ष अजय कुमार चौधरी उपाध्यक्ष प्रमोद तिवारी धनीराम आजाद अम्बिका प्रशाद पटेल तहसील अध्यक्ष हरिद्वार प्रशाद यादव जमुना प्रशाद विश्कर्मा जिलामिडिया प्रभारी विजय कुमार सहित जनपद के सभी पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे

संयुक्त किसान मोर्चा एवं राष्ट्रीय श्रम महासंघ के संयुक्त का किसान नेता डॉ रवि नागर के नेतृत्व में राष्ट्रपति को दिया ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- बरेली संयुक्त किसान मोर्चा एवं राष्ट्रीय श्रम महासंघ के संयुक्त आवन पर किसान नेता डॉ रवि नागर के नेतृत्व में देशव्यापी आंदोलन के तहत दामोदर स्वरूप पार्क बरेली में धरना प्रदर्शन जारी।

महामहिम राष्ट्रपति महोदय को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट राजीव शुक्ल को सौंपा जिसमें बताया कि मजदूर और किसान आज पूरे भारत में अपने मुद्दों पर प्रकाश डालने और उनके निवारण की मांग को लेकर संयुक्त रूप से विरोध कर रहे हैं। ज्ञापन राष्ट्रपति को इस उम्मीद के साथ भेज रहे है कि आप हस्तक्षेप कर देश की इन दो प्रमुख उत्पादन शक्तियों के पक्ष में काम करेंगी। हमने 26 नवंबर को जन लामबंदी के माध्यम से विरोध दिवस के रूप में मनाने के लिए इस लिये चुना है क्योंकि यह वह दिन है 2020 में जब ट्रेड यूनियनों ने मजदूर विरोधी चार श्रम संहिताओं के विरोध में राष्ट्रव्यापी हड़ताल की थी और किसानों ने तीन काले कृषि कानूनों के खिलाफ संसद की ओर अपना ऐतिहासिक मार्च शुरू किया था। किसानों के लंबे संघर्ष के बाद जब कृषि कानून वापस लिए गए थे तब किसानों से किए गए वादे आज तक पूरे नहीं हुए हैं। हम नीचे बताई गई दयनीय स्थिति के बारे में आपके सामने कुछ तथ्य रखना चाहते हैं और इस पर आपका हस्तक्षेप चाहते हैं। लगातार चली आ रही एनडीए की इस तीसरी सरकार की नीतियों से भारत के मेहनतकश लोगों को गहरे संकट का सामना करना पड़ रहा है. इनका उद्देश्य कॉरपोरेट और अति अमीरों को समृद्ध करना है। जबकि खेती की लागत और मुद्रास्फीति हर साल 12.15 से अधिक बढ़ रही हैए सरकार एमएसपी में केवल 2 से 7 की वृद्धि कर रही है। इसने सी 250 फॉर्मूले को लागू किए बिना और खरीद की कोई गारंटी दिए बिना 2024-25 में धान के एमएसपी को केवल 5.35 बढ़ाकर 2300 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। इससे पहले कम से कम पंजाब और हरियाणा में धान और गेहूं की खरीद हो जाती थी। लेकिन केंद्र सरकार पिछले साल खरीदी गई फसल को मंडियों से उठाने में विफल रही, जिससे इस साल मंडियों में जगह की कमी के कारण धान की खरीद ठप हो रही है

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बरेली पुलिस अधीक्षक अपराध द्वारा पुलिस लाइन बरेली स्थित सभागार में विशेष किशोर इकाई की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजित किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -सुमित गुप्ता

बरेली पुलिस लाइन बरेली स्थित सभागार में पुलिस अधीक्षक

अपराध जनपद बरेली द्वारा विशेष किशोर इकाई की मासिक समीक्षा व समन्वय बैठक आयोजित की गयी। बैठक में बाल गुमशुदा, बाल श्रम, बाल विवाह, बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी के कर्तव्य और दिशा-निर्देश का पालन करने आदि की जानकारी देकर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस दौरान जनपद के थानों के बाल कल्याण अधिकारी, चाइल्ड केयर एवं किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य, आदि मौजूद रहें

जीवन को खुशहाल बना दो, महिला हिंसा को जड़ से मिटा दो

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।साकार संस्था के नेतृत्व में सोमवार से 350 महिलाओं व किशोरियों के साथ घरेलू हिंसा उन्मूलन दिवस पर महिला हिंसा के विरुद्ध 16 दिवसीय अभियान का हुआ आगज। बरेली। मंगलवार को साकार संस्था द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित भोजीपुरा ब्लांक से एडीओ अनुज राणा ,पुलिस स्टाफ से एस आई श्वेता , पी.आर.डी कामिनी , नवाबगंज ब्लांक से खंड विकास अधिकारी महेश चंद्र शाक्य , क्यारा ब्लांक से एडीओ पंचायत,संस्था सचिव नितिका पंत , संस्था निदेशक शिल्पी अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। महिला हिंसा उन्मूलन दिवस कार्यक्रम साकार संस्था द्वारा चार ब्लांक भोजीपुरा, नवाबगंज, क्यारा के सभागार व फतेहगंज पश्चिमी के गांव मीरापुर में आयोजित किया गया। महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें ग्रामीण क्षेत्र में शहरी क्षेत्र की महिलाओं व किशोरियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में अवगत कराया गया । महिलाओं को किसी भी प्रकार की हिंसा न तो सहना चाहिए, और ना ही उनको सपोर्ट करना चाहिए। किसी भी हिंसा का खुलकर विरोध करना चाहिए । अपने अधिकार और हक के प्रति जागरूक होना चाहिए। इसी के साथ महिलाओं व किशोरियों को 181,112 एवं 1098 सहायता नंबर मुख्यमंत्री महिला सम्मान घरेलू हिंसा रोकथाम अधिनियम, बाल विवाह रोकथाम,दहेज उत्पीड़न प्रतिरोध अधिनियम में घरेलू हिंसा अधिनियम के बारे में विस्तार से बताया ?। महिलाओं किया गया।एडीओ अनुज राणा ने महिलाओं को कहां की आप सभी महिला हिंसा के प्रति हेल्पलाइन नंबरों को जरूर याद रखें। दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। अभियान की शुरुआत के दौरान ही पुलिस स्टाफ से एस आई श्वेता , पी.आर.डी कामिनी व अन्य पुलिस स्टाफ मौजूद रहा। इस मौके पर एस आई श्वेता ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में महिलाओं में उनके अधिकारों को लेकर जागरूकता की कमी है। जिसमें साकार संस्था के द्वारा बहुत ही सराहनीय कार्य किया जा रहा है। महिला को हेल्पलाइन नंबर, साइबर क्राइम, यौन उत्पीड़न और महिला छेड़ छाड़ के बारे में जानकारी दी, ऑपरेशन मजनू और ऑपरेशन डिस्ट्रॉय के बारे में जानकारी दी और कहा पुलिस स्टाफ का सहयोग हर समय उनको मिलेगा। बिना डरे वह अपनी बात कह सकते हैं। एडवोकेट माधुरी ने बताया कि आपको अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर अपने अधिकारों का सही उपयोग करना चाहिए। अगर आपके मौलिक अधिकारों का कोई हनन करता है। तो उसके खिलाफ आपको आवाज उठानी चाहिए।

राजश्री ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स में मनाया गया संविधान दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।राजश्री ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स बरेली के तत्वाधान में राष्ट्रीय संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के सचिव राकेश कुमार अग्रवाल, वाइस चेयरपर्सन डॉक्टर मोनिका गुप्ता ने मां सरस्वती का दीप प्रज्वलित नमन करके किया। संस्थान के वाइस संविधान दिवस मनाने का उद्देश्य है। मुख्य अतिथि ने संविधान के बारे धर्मनिरपेक्षता के विषय पर अपने को सशक्त बनाने में न्याय न्यायालय पर प्रकाश डाला। साथ ही न्यायिक विधिक छात्र-छात्राओं से संविधान के विधि विभाग की छात्रा ईशा सिंह एवं किये। संविधान दिवस मनाने के लिए निदेशक शैक्षणिक प्रो0 डॉ0 अनिल

अग्रवाल, प्रबंध निदेशक रोहन बंसल, ट्रस्टी पीयूष तथा संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को चेयरपर्सन डॉक्टर मोनिका अग्रवाल ने बताया कि नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना में विस्तार पूर्वक चर्चा की और सम्प्रभुता, समाजवाद, विचार रखे। प्रबंध निदेशक रोहन बंसल ने लोकतंत्र की भूमिका एवं नागरिकों को न्याय प्रक्रिया से जोड़ने सेवाओं को अपना करियर बनाने के लिए अध्यनरत निहित मूल्यों को आत्मसात करने की शपथ दिलाई। रानी कुमारी ने संविधान दिवस पर अपने विचार प्रस्तुत कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों में संस्थान के कुमार, अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो0 डॉ0 साकेत अग्रवाल, निदेशक शोध एवं विकास प्रो0 (डॉ0) पंकज शर्मा, रजिस्ट्रार दुष्यंत माहेश्वरी, प्राचार्य डॉ0 शोएब खान, शिखा त्रिपाठी, दिवाकर गंगवार, एहतेशाम अहमद, पंकज कुमार सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम का संचालन सूरज मिश्रा ने किया।

संविधान दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन जनपद दीवानी न्यायालय उरई के सभागार में माननीय जनपद न्यायाधीश श्री अचल सचदेव के कुशल निर्देशन में किया गया।

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई - माननीय जनपद न्यायाधीश एवं समस्त न्यायिक अधिकारीगण द्वारा डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के विचारों व आदर्शों का स्मरण किया गया। इस अवसर पर मा0 जनपद न्यायाधीश श्री अचल सचदेव ने बताया कि संविधान दिवस पर हमें जीवन भर अपने मौलिक कर्तव्यों और देश का कानून का पालन करने का प्रण लेना चाहिए। देश का अच्छा और जिम्मेदार नागरिक बनने से न सिर्फ संविधान का मकसद पूरा होगा बल्कि संविधान निर्माताओं के सपनों के राष्ट्र का निर्माण होगा। संविधान की प्रस्तावना में वर्णित स्वतंत्रता का महत्व समझाते हुये पराधीनता को त्याग राश्ट्रहित में कार्य करने के लिये प्रेरित किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/अपर जिला जज श्री राजीव सरन ने आज ''संविधान दिवस'' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहाकि भारतीय संविधान विश्व का सर्वशश्रेष्ठ संविधान है। यह लोककल्याणकारी और समाज के सबसे उपेक्षित वर्ग व समुदाय के हितों की रक्षा व संरक्षण करने में समर्थ है। हम सभी की यह जिम्मेदारी है कि संविधान में दिये गये नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों का हर हाल में पालन करें, ताकि अधिकारों के लिये संघर्श की स्थिति ही उत्पन्न न हो। संविधान दिवस मनाने का उद्देश्य हमारे संविधान निर्माताओं विशेशकर डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी के योगदान पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर आज 'संविधान दिवस' के उपलक्ष्य में जनपद न्यायाधीश श्री अचल सचदेव के निर्देशानुसार जिला दीवानी न्यायालय उरई एवं जनपद जालौन के अन्तर्गत समस्त तहसीलों मे कार्यक्रम आयोजित किये गये। उन्होंने इस अवसर पर संविधान के विभिन्न अनुच्छेद, प्रस्तावना, नागरिकों के मूल कर्तव्य एवं अधिकारों के विशय पर सभी विस्तृत जानकारी दी। इन कार्यक्रमों में उन्होंने संविधान की प्रस्तावना का सभी को पाठन कराया तथा संविधान में उल्लिखित मूल कर्तव्यों की शपथ भी दिलायी। इस अवसर पर अपर जिला जज-प्रथम श्री शिवकुमार द्वितीय, विशेष न्यायाधीश एस0सी0एस0टी0 एक्ट श्री प्रमोद गुप्ता, विशेष न्यायाधीश द0प्र0क्षे0 डॉ0 अवनीश कुमार,विशेष न्यायाधीश ई0सी0 एक्ट श्रीमती पारूल पनवार, विशेष न्यायाधीश पॉक्सो श्री मुहम्मद कमर, अपर सत्र न्यायाधीश श्री भारतेन्द्र सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अभिशेक खरे, सिविल जज सी0डि0 श्री अर्पित सिंह, सिविल जज सी0डि0/एफ0टी0सी0 श्रीमती अनुकृति सन्त, सिविल जज जू0डि0 श्रीमती प्रियंका सरन, सुश्री निकिता सिंह, विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री चन्द्रभान एवं श्री राजासिंह यादव सहित समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने गत रात्रि में संयुक्त जिला चिकित्सालय पहुंचकर रैन-बसेरे का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। भीषण ठंड में गरीब, बेसहारों एवं असहायों को रात्रि में ठहरने के लिए कोई दिक्कत न होने पाए, इसके लिए जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने संयुक्त जिला चिकित्सालय में बने रैन बसेरा का गत रात्रि औचक निरीक्षण कर जायजा लिया तथा रैन बसेरा के प्रबंधक को सभी व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। इस दौरान रैन बसेरे में कुल 17 लोग पाये गये। निरीक्षण में रैन बसेरे की खिड़कियां दुरूस्त न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने तत्काल खिड़कियों को सही कराने का निर्देश दिया। उन्होने सम्बन्धित को निर्देशित किया कि सर्दी को देखते हुए रैन-बसेरों में रूकने वाले बेसहारा लोगों को कोई दिक्कत न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए तथा अलाव की भी मुकम्मल व्यवस्था सुनिश्चित रखी जाए। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि जनपद में जहां पर भी रैन बसेरा बने हुए है, उनके लिए मुख्य मार्गो पर साइन बोर्ड लगाया जाए, जिससे लोगों को ढूंढने में कोई दिक्कत न होने पाए।जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में संयुक्त जिला अस्पताल भिनगा, भिनगा नगर व विकास खण्ड इकौना के अन्तर्गत शास्त्री नगर में रैन बसेरे का संचालन पूर्व से ही किया जा रहा है, ताकि कोई भी नागरिक अगर ठंड में बाहर फंसा तो वह खुले में न सोये और वे निःशुल्क रैन-बसेरों में जाकर रात्रि विश्राम करें। उन्होने सभी उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देश दिया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण एवं निरीक्षण के दौरान यह ध्यान रखें कि कोई भी व्यक्ति खुले आसमान में न सोने पाए। यदि कोई गरीब, बेसहारा व्यक्ति खुले आसमान में सोता पाया जाए तो उन्हें रैन-बसेरों में तत्काल शिफ्ट किया जाए इस अवसर पर रैन बसेरा के संचालक सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9077776991

संक्षिप्त समाचार

भारत- नेपाल सीमा पर चरस की तस्करी कर रहे दो नेपाली युवक गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती -श्रावस्ती। जनपद में रबीन्द्र कुमार राजेश्वरी, कमांडेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा के दिशा निर्देशन एवं सूचना के आधार पर एसएसबी सीमा चौकी ककरदरी के उप निरीक्षक बलवन्त सिंह एवं उनकी टीम और थाना मल्हीपुर की पुलिस टीम के द्वारा संयुक्त वाहन चेकिंग कर सीमा स्तम्भ संख्या 641 के नजदीक गजोबरी गाँव के पास नेपाल से भारत की तरफ आ रहे पल्सर बाइक पर सवार दो युवको की तलाशी के दौरान उनके पास से 2 कि0 ग्राम चरस मिली। पूछताछ के दौरान पकड़े गये अभियुक्तों ने अपना नाम शाकिर अली पुत्र गुलाम नबी और सोनू शाहबाज नूर पुत्र रोजाद अली ग्राम नियामित पुरवा, थाना काम्बी, जिला बांके नेपाल बताया। कागजी कार्यवाही कर बरामद चरस एवं पल्सर बाइक को जब्त किया गया। और जब्त चरस एवं पकडे गए अभियुक्तों को अग्रिम कार्यवाही हेतु थाना मल्हीपुर को सुपुर्द कर दिया गया।

अवैध कटान हुई तो होगी कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती श्रावस्ती गिरंट जंगल में अवैध कटान पर रेंजर ने सख्त कदम उठाया है। रेंजर राम मिलन ने कहा कि सभी वनकर्मी रात में जंगल में गश्त करें। उन्होंने वन दरोगा व वन रक्षकों को निर्देश दिया है कि औसानकुंडी बीट व सुजानडीह बीट जंगल की सुरक्षा व्यवस्था में लगे सभी दैनिक श्रमिक वॉचरों के साथ रात में गस्त करें। इस समय ठंड और कोहरे का प्रकोप बढ़ रहा है। ऐसे में अराजक तत्वों और वनमाफियों की नजर अक्सर बेशकीमती पेड़ों पर रहती है। अगर किसी के जंगल बीट में पेड़ कटानहुआ तो कर्मियों को बख्शा नहीं जाएगा।

एंबुलेंस हुई हादसे का शिकार टकराई डिवाइडर से

क्यूँ न लिखूँ सच -रमाशंकर तोमर

देवेंद्र नगर। मध्य प्रदेश पन्ना - एंबुलेंस हुई बेकाबू डिवाइडर से भिडी हादसों में जो जीवन रक्षक का काम करती है वो खुद हादसे का शिकार हो गई स्थानीय लोगों की माने तो बीती रात एंबुलेंस लगभग 2:00 बजे अनियंत्रित होकर सलेहा रोड राणा कॉलोनी के सामने बने हुए डिवाइडर से जाकर टकरा गई जो की बुरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गई जिसमें चारों तरफ खून ही खून नजर आ रहा है जिला एंबुलेंस ठेकेदार मुलायम सिंह द्वारा बताया गया कि एंबुलेंस में पायलट बीरेंद्र कोरी जिसे अंदरूनी चोट आई और ई एम टी रामावतार के दांत टूट गए और दाढ़ी में चोट आई इसके संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवेंद्र नगर सी.एच.एम. ओ. अभिषेक जैन के द्वारा भी बताया गया कि जानवर को बचाने में एंबुलेंस दुर्घटना हुई।

विकास खण्ड उन ब्लॉक में दिव्यांग कैम्प का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -अश्विनी नामदेव

शामली ,उन। विकास खण्ड उन ब्लॉक में दिव्यांग कैम्प आयोजन किया गया। कैम्प दिव्यांग अधिकारी अंशुल चौहान के सौजन्य से आयोजित किया गया। इस कैम्प में 237 दिव्यांग ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया। इस दिव्यांग कैम्प में अपनी भूमिका निभाई डा विजय बंसल, डा सिंनपर, भवर सिंह, कुशवाह, एसपी बंसल, कॉर्डिनेटर घनश्याम लोधी, तकनीशियन अजय बंसल, बलराम, आकाश, आशीष, मो जफर खान, सीतेश जोशी, डाटा मेंन ओमप्रकाश आदि ने अपना सहयोग दिया।

शामली सेंटरसी कॉन्वेंट स्कूल में संविधान दिवस बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामलीसेंट-आर.सी.कान्वेंट स्कूल में संविधान दिवस के अवसर प्रधानमंत्री मोदी जी के निर्देशानुसार सविंधान दिवस से गणतंत्र दिवस तक चलने वाले दो महीने के अभियान शुरुवात उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री श्री दिनेश खटीक सेंट आर सी स्कूल में युवा संसद का शुभारम्भ करके की द्य इस कार्यक्रम में बच्चों ने संसदीय शैली में बहस, चर्चा, और निर्णय लेने की प्रक्रिया का जीवंत प्रदर्शन किया। संविधान, लोकतंत्र और अधिकारों व कर्तव्यों को जाना।, युवा संसद के मुख्य किरदारों में लोकसभा अध्यक्ष, प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, गृह मंत्री समेत अन्य छात्रों ने अपने-अपने रोल को बखूबी निभाया। कक्षा7 से कक्ष11 तक के कुल 55 छात्र छात्राओं ने विभिन्न राजनीतिक भूमिकाओं का एवं विशिष्ट अतिथि सर्वश्री पूर्व मंत्री श्री वीरेंद्र सिंह जी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री तेजिंदर निर्वाल जी, शामली विधायक श्री प्रसन्न चौधरी जी,जलालाबाद विधायक श्री अशरफ अली जी, शामली नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद संगल जी द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्याअर्पण कर की गयी। लोकसभा सभापति के किरदार को चरितार्थ करते हुए मंत्री श्री दिनेश खटीक जी ने सबसे पहले संविधान दिवस पर सबको बधाई देते हुए कहा डाक्टर आंबेडकर जी शानदार सविंधान दिया उनके जीवन से भी मंत्री जी ने उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं व बच्चों को अवगत कराया । उन्होंने कहा संसद का लाजवाब ऐसा शानदार प्रदर्शन, संसद का जीवन्त व अद्भुत, युवा संसद का आयोजन। युवा संसद का मकसद देश के युवाओं में समाज की प्रगति के लिए बेहतर संवाद कौशल विकसित करना है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोकतंत्र को मज़बूत करना ,छात्रों को संसद के कामकाज को समझने में सक्षम बनाना ,युवाओं की आवाज़ सुनना, युवाओं को जनता के मुद्दों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। हमें संसदीय शैली की बहस, चर्चा, और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में शामिल होने का मौका देती है। पूर्व मंत्री श्री वीरेंद्र सिंह जी ने कहा कार्यक्रम को देखते लगा वास्तव में संसदीय कार्यविधि ही देख रहा हूँ। सभी बच्चे इससे रुबरु होकर अपनी मजबूत लोकतंत्र को पहचाने।युवा संसद की मुख्य भूमिका में लोकसभा अध्यक्ष, पीएम, नेता प्रतिपक्ष, गृह मंत्री ने अपने किरदार को बखूबी निभाया। छात्र छात्राएं युवा संसद मे अलग अलग भूमिका में दिखी। मौजूदा प्रश्न नारी सशक्तीकरण, पड़ोसी देशों से संबंध, पेंशन की स्थिति पर सत्ता एवं विपक्ष में तीखी बहस हुई। मंत्रीगण की सूझबूझ एवं यथोचित उत्तर से संसदीय कार्य व्यवस्था चलती रही। युवा संसद में दिल्ली संसद की तर्ज पर पक्ष सरकार और विपक्ष सांसद आमने सामने बैठे, नवनिर्वाचित सांसदों को लोकसभा अध्यक्ष ने शपथ दिलाई. सांसदों ने संस्कृत, मराठी, कन्नड़, हिंदी और अंग्रेजी में निर्वाचन की शपथ ली, जिसके बाद लोकसभा स्पीकर के आदेश पर प्रश्न काल कार्रवाई शुरू की गई, जिसमें विपक्षी सांसदों ने राष्ट्र सुरक्षा, अर्थव्यवस्था ,शिक्षा और स्वास्थ्य पर प्रश्न किए, जिसके संतोषजनक जवाब संबंधित केंद्रीय मंत्रियों ने दिए। उद्घाटन समारोह में बोलते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष श्री तेजेंद्र निवार्ल ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जिसका नेतृत्व हमेशा युवाओं ने किया है और इस देश का भविष्य युवाओं पर निर्भर है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय युवा हर क्षेत्र में सबसे आगे हैं। यही बच्चे आगे चलकर देश का नेतृत्व करेंगे, बच्चों का संसद में संबोधन शानदार है। उन्होंने कहा कि मैं छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी जी व योगी जी द्वारा सविंधान दिवस मनाने का आव्हान किया गया क्योंकि सविंधान के कारण ही गरीबों को भी वहीं अधिकार प्राप्त है जो अमीरों को ।संविधान की रक्षा हमारा कर्तव्य है । नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद संगल जी ने संबोधन के दौरान कहां कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों को संसद के विषय में जानकारी होगी साथ ही देश में चल रहे मुद्दों का भी पता चलेगा] आगे चलकर यही बच्चे देश संभालेंगे, इस तरह यूथ संसद जैसे कार्यक्रम बच्चों के बौद्धिक विकास में मदद करेंगे। विधायक शामली श्री प्रसन्न चौधरी, विधायक जलालाबाद श्री अशरफ अली जी ने भी संबोधित किया। युवा संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका आर्यवीर, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की दक्ष देशवाल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की शुभम शर्मा, नितिन गडकरी की कृष्णा गर्ग, गिरिराज सिंह की धैर्य मित्तल और निर्मला सीतारमण की भूमिका अंशी गोयल ने निभाई। अमित शाह (गृहमंत्री) लक्ष्य वर्मा] पूर्व मुख्यमंत्री जितन राम मांझी (सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्री) की भूमिका जयंत मित्तल, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान (केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा ग्रामीण विकास मंत्री) की अतिक्ष राना, विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की आर्यन अग्रवाल, रेल मंत्री पीयूष गोयल की प्रियांशु गर्ग और लोक जनशक्ति पार्टी प्रमुख चिराग पासवान (खाद्य पर संस्करण उद्योग मंत्री) की भूमिका अथर्व ने निभाई। भारत ओलंपिक संघ की अध्यक्ष व सांसद पी.टी. उषा की भूमिका इशिका धवन ने निभाई। अन्य किरदारों में सांसद अखिलेश यादव की भूमिका कृष्णा गोयल, पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा की वंशिका, अभिनेत्री कंगना रनौत की अवनी, अभिनेता अरुण गोविल की अर्णव चौधरी और सांसद इकरा हसन की भूमिका ज्हान्वी ने निभाई। यह युवा संसद देश के 785 जिलों को शामिल करते हुए तीन स्तरों पर आयोजित की जा रही है। आज हुई जिला स्तरीय विजेता राज्यस्तरीय संसद में भाग लेंगे तत्पश्चात राज्य स्तरीय विजेता को संसद के केन्द्रीय कक्ष में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा संसद-2025 के फाइनल के लिए नई दिल्ली में एकत्रित होंगे। सत्तासी राज्यस्तरीय विजेता (प्रथम, दूसरे और तीसरे पुरस्कार विजेता) राष्ट्रीय युवा संसद में भाग लेंगे, जिनमें से 29 (प्रत्येक एसवाईपी के प्रथम विजेता) दिए गए विषयों पर बोलेंगे। शेष 58 राष्ट्रीय युवा संसद में श्रोता के रूप में भाग लेंगे। इस युवा संसद में सूर्या तोमर, प्रीत, प्रिंस, अनंत कुमार, अनंत चौहान, चिराग जैन, पारस मित्तल, यश हुड्डा, अमन तरार, माही चौधरी, मनु, विधाता, सोनाक्षी, अक्षिता देशवाल, अनन्या, अंशिका, तैय्यबा जैदी, राधिका मित्तल, आकांक्षा, रिद्धि, सिया बंसल, अनुष्का, आश्वी, नव्या, पिक्सी, निशा अग्रवाल ने लोकसभा सदस्यों का किरदार निभाया। प्रधानाचार्य श्रीमती उज्मा जैदी ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया एवं अरविंद चौधरी, अभिषेक वर्मा, अंजू पवार, अंजुल चौधरी, अनुपम मित्तल, मनीष मित्तल, अजय गोयल, अभिषेक बालियान, भावना शर्मा, ऋषिका चौहान, प्रिया शर्मा, कुमारी दीपा, आदि आदि शिक्षकों ने युवा सांसद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में भाजपा नेता , नगर पालिका सभासद एवम् शामली के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया ।श्रीमती उज्मा जैदीप ,धानाचार्य, सेंट ज़आरसीज़ कान्वेंट स्कूल, शामली ।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश ,
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

धार जिला परियोजना समन्वयक द्वारा शालाओं का निरीक्षण स्कूल के क्लासों में जाकर बच्चों से की चर्चा

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप द्विवेदी

पीथमपुर- जिला परियोजना समन्वयक जिला धार द्वारा नेशनल अचीवमेंट सर्वे (परख राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण) के अंतर्गत पिथमपुर नगर पालिका क्षेत्र के सपना कन्वेंट स्कूल , न्यू सेंट फ्रांसिस स्कूल हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी ,लाइफ लाइन स्कूल, सेंट जॉन स्कूल,न्यू संस्कार स्कूल, अचीवर्स अकैडमी, गौरव पब्लिक स्कूल, न्यू पटेल पब्लिक ,इत्यादि सर्वे में चयनित हुई शालाओं का निरीक्षण किया गया ।जिसमें जिला परियोजना समन्वयक प्रदीप खरे द्वारा प्रत्येक स्कूल की क्लास में जाकर के बच्चों से चर्चा की। राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण संबंधी जानकारी का अवलोकन कर स्पष्ट दिशा निर्देश दिए ।उसके पश्चात शासकीय माध्यमिक विद्यालय पीथमपुर में अशासकीय विद्यालयों की बैठक रखी गई। जिसमें कक्षा एक से 12वीं तक के बच्चों की अपार आईडी जेनरेट के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अपार आईडी कैसे जनरेट करनी है इसकी ट्रेनिंग दी गई। बैठक में जिला परियोजना समन्वयक प्रदीप खरे, जिला अकादमिक समन्वयक शुभम सर, विकासखंड अकादमिक समन्वय राजेंद्र तिलवे जन शिक्षक प्रहलाद सोलंकी, संकुल सह समन्वयक शुभम जैन आदि उपस्थित थे।बैठक संकुल प्राचार्य रेखा चौधरी एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक राजेश शिंदे के निर्देशानुसार रखी गई थी।

धान उपार्जन केन्द्रों में मिल रही सुविधाओं से किसान प्रसन्न

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- राज्य शासन के निर्देशानुसार इस खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में जिले में धान खरीदी का कार्य निरंतर जारी है। कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के मार्गदर्शन में पंजीकृत किसानों से जिले के 54 उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी की जा रही है। सभी उपार्जन केंद्रों में समिति में द्वारा किसानों के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं जिससे जिले के किसान प्रसन्न है। गौरतलब है कि किसानों के उपज का वास्तविक मूल्य देने के लिए राज्य शासन द्वारा 3100 प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का कार्य किया जा रहा है। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदने और खरीदी केन्द्र में किसानों को मिल रही सुविधाओं से किसान खुश नजर आ रहे है। किसानों से समर्थन मूल्य में खरीदी कर शासन उन्हें आर्थिक रूप से संबल बना रहा है। जिले के भैयाथान विकासखंड के धान उपार्जन केंद्र भैयाथान, आए श्री घनश्याम सिंह ने बताया कि वे 80 क्विंटल धान लेकर आए हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 3100 क्विंटल की दर से धान खरीदी करने पर प्रसन्नता जाहिर की है। उन्होंने इसे शासन की यह बहुत अच्छा योजना बताया। जिससे सभी किसानों को बहुत अच्छा लाभ मिल रहा है। इसके अलावा इस धान उपार्जन केंद्र में धान बेचने आए श्री अशोक बताते हैं कि धान उपार्जन केंद्र में उनके पिता जी के साथ 18 क्विंटल धान लेकर आए हैं। उन्होंने धान उपार्जन केंद्र में समिति द्वारा धान खरीदी को लेकर उपलब्ध सुविधाओं को लेकर खुशी जाहिर।

वॉटर संस्था के द्वावा पशुपालन प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

पशुपालन प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण ग्राम कोल्हुआ में 16 गाँवों के करीबन 120 किसानो के उपस्थिति मे संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन वाटरशेड ऑर्गनाइजेशन ट्रस्ट के तत्वाधान में किया गया। आज की प्रशिक्षण डाक्टर के. एम. यादव के द्वारा किसानो को दिया गया। डॉ. यादव सर ने बताया की कृषि के साथ साथ अच्छी आमदनी के लिए पशुपालन ही एक ऐसा विकल्प है जिससे किसानो की आय में वृन्द्धि हो सकती है ।पशुपालन तथा कृषि तो मानव के सभ्यता युग से चलते आ रहे है, ये दोनों प्रणाली एक दूसरे की पूरक है, बिना खेती के पशुपालन और बिना पशुपालन के खेती भी संभव नहीं है।डॉ यादव ज़ी ने बताया की पशुपालन किसान साथियों की सब से बड़ी उपलब्धि है और कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए पशुपालन निहायत ही जरुरी है, उन्होंने ने आगे बताया की पशुओ में होने वाली मौसमी बीमारियों की पहचान तथा उपचार प्राथमिक स्तर पर घर पर ही कर सकते है तथा ज्यादा जटिल होने पर डाक्टरों से संपर्क करें। ज्यादातर पशुओ में होने वाली बीमारी जैसे खुर पक्का, मुँह पक्का , गलघोटू, पतला दस्त इत्यादि की रोकथाम के लिए उन्हें समय समय पर टीके तथा दवाईयां देते रहे, साथ ही साथ कृमि की दवा भी बराबर देते रहे तभी हम पशुओ को मौसमी बिमारियों से बचा सकते है। दूधारु पशुओ को पौष्टीक तथा संतुलित आहार एवं हरा चारा देने पर विशेष जोर दिया। डॉ यादव जी ने कृत्रिम गर्भधान विषय पर भी किसानों को विस्तार से बताया एवं उनमे इसके प्रति जागरूकता के लिए पहल करने को भी कहा! आज की प्रशिक्षण से किसान भाइयो ने बहुत कुछ सीखा और संस्था वाटरशेड तथा उनके स्टाफ को बहुत बहुत धन्यवाद ज्ञापित किया और आग्रह किया की ऐसा प्रशिक्षण हमेशा होता रहे ताकि किसानो को पशुपालन और कृषि सम्बन्धी जानकारी मिलता रहे, इसकार्यक्रम मे संस्था के विनोद, राबेन्द्र गुप्ता, शिवानंद एवं सतीश पाण्डेय उपस्थित थे

उच्च प्राथमिक विद्यालय उड़लहवा सेहरिया में मनाया गया संविधान दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती -ग्राम प्रधान रहीश खां की अध्यक्षता में उच्च प्राथमिक विद्यालय उड़लहवा सेहरिया में संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें नीति आयोग सहयोगी पीरामल फाउंडेशन से विकास नागर पोणे ने भी प्रतिभाग किया। समारोह में विद्यालय के समस्त छात्र, छात्राओं को संविधान की पूरी जानकारी दी गई साथ ही संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन चरित्र पर चर्चा की गई और उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया। संविधान शपथ एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं सहित प्रधानाध्यापक मुनव्वर मिर्ज़ा, सहायक शिक्षिका अक़लीमा खातून,विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

संविधान दिवस पर लोकभवन लखनऊ में माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा एवं उपस्थित गणमान्य तथा अतिथियों द्वारा देखा व सुना गया

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

(कोंच जालौन)संविधान दिवस के अवसर पर सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान व जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को संविधान की उद्देशिका का पाठन कराया और संविधान निर्माता को नमन किया। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारत के लिए आज का दिन काफी खास है। आज ही के दिन हमारे देश ने संविधान को अपनाया था। बाबा साहेब भीमराव आंबे़डकर के नेतृत्व में हमारा संविधान बना जिसके बाद इसे आज तक सर्वोपरि माना जाता है। इस बात को आज 75 साल हो गए हैं। देश आज संविधान दिवस मना रहा है।भारत जैसे विशाल देश के लोकतंत्र की शक्ति हमारा संविधान ही है, जो हर व्यक्ति के लिए न्याय और समान अधिकार सुनिश्चित कर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का मंत्र देता है। हमारा विश्वास है कि संविधान सिर्फ मंचों पर दिखाने की एक पुस्तक नहीं ,बल्कि पूर्ण श्रद्धा से आत्मसात कर सार्वजनिक जीवन में अपना सर्वोच्च योगदान देने की कुंजी है। उन्होंने कहा कि इस संविधान दिवस पर एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत बनाने का संकल्प लें।जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है। उन्होंने संविधान को एक प्रेरणास्त्रोत बताया, जो देश को मार्गदर्शन प्रदान करता है। जिलाधिकारी ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके योगदान के कारण ही भारत को एक प्रगतिशील और समावेशी संविधान मिला। उन्होंने सभी देशभक्तों को नमन करते हुए कहा कि संविधान का पालन कर हम देश को और प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, जिला विकास अधिकारी महेंद्र चौबे, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, डीसी मनरेगा रामेन्द्र सिंह आदि सहित सम्बंधित अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बुंदेलखंड विधि महाविद्यालय मे 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप मे मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई (जालौन) - आज दिनांक 26 नवम्बर को बुंदेलखंड विधि महाविद्यालय उरई मे संविधान दिवस के उपलक्षय मे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमे मुख्य अतिथि उमेश कुमार पाण्डेय पुलिस क्षेत्राधिकारी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर के कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया कार्यक्रम मे छात्र छात्राओं के मध्य भाषण, रंगोली और पेंटिंग की प्रीतियोगिता आयोजित की गयी जिसमे भाषणा परियोगिता मे मे स्र्ल्क प्रथम वर्ष के छात्र उत्कर्ष श्रीवास्तव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा सोनिया, ज्योति साक्षी ने प्रतिभाग किया तथा रंगोली मे क्कप्रथम वर्ष की छात्राये सुलेखा, नेनसी, पूनम को मुख्य अतिथि द्वारा शील्ड देकर पुरस्कृत किया गया कार्यक्रम मे वशिष्ठ अतिथि श्री मति ममता गुप्ता अध्यक्ष श्री ब्रजभूषण सिंह उपाध्यक्ष व श्री शरद कुमार शर्मा प्रबंधक के रूप मे उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन स्र्ल्कप्रथम वर्ष की छात्रा शिवानी द्विवेदी ने किया कार्यक्रम मे आये हुये अतिथियों का आभार प्रचार डॉ महेंद्रप्रताप सिंह राजपूत के द्वारा किया गया कार्यक्रम मे प्रदीप गुप्ता, राकेश सक्सेना डी.के वर्मा, अलाउद्दीन खान, श्री मति सुमन, मंजुला गुप्ता श्री मति विशाखा गुप्ता श्री अश्वनी पुरवार, के.सी गुप्ता, देवेंद्र सक्सेना क्क, व स्र्ल्कके समस्त छात्र छात्राये उपस्थित रहे

नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन हेतु नोडल अधिकारी एवं सहायक कर्मचारी हुए नियुक्त

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन 2024-25 संपन्न कराये जाने हेतु शिकायत सेल श्रीमती चांदनी कवंर व कंट्रोल रूम के लिए श्रीमती बेनेदिक्ता तिर्की को नोडल अधिकारी तथा सहायक कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है।

29 नवंबर को जिला मिशन समिति की बैठक का होगा आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- मुख्य कार्यपालन अधिकारी की अध्यक्षता में 29 नवंबर को प्रात: 10 बजे जिला पंचायत के सभा कक्ष में जिला मिशन समिति की बैठक आयोजित होनी है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 351 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई (जालौन) - जनपद के कालपी रोड स्थित नवीन गल्ला मंडी में आज मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विधि-विधान से कुल 351 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मा0 प्रभारी मंत्री/राज्यमंत्री गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग उ0प्र0 संजय सिंह गंगवार, मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, मा0 विधायक सदर गौरीशंकर वर्मा, मा0 विधायक माधौगढ़ मूलचंद्र निरंजन, मा0 जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, जालौन ब्लॉक प्रमुख, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास, जिला विकास अधिकारी महेंद्र चौबे, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह सहित जिला स्तरीय अधिकारियों व मा0 जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को उनके सुखद जीवन के लिए आशीर्वाद देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की , साथ ही विवाह कार्यक्रम में आये हुए जोड़ो को प्रमाण पत्र वितरित किए। मा0 प्रभारी मंत्री जी ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। यह योजना समाज के वंचित वर्गों को न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि उनकी बेटियों की शादी का बोझ भी हल्का करती है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की प्राथमिकता है कि गरीबों तक हर लाभकारी योजना का लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि 卐यह योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि समाज में सामूहिकता और समरसता को भी बढ़ावा देती है। सरकार महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है, और इसके तहत उन्हें रोजगार के अवसर भी मुहैया कराए जा रहे हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि यह योजना समाज के अंतिम छोर पर खड़े गरीब व्यक्ति तक पहुंच रही है। इस तरह के सामूहिक विवाह समारोह सामाजिक समरसता और आपसी मेलजोल को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन सभी धर्मों और समुदायों के बीच एकता का प्रतीक हैं। मा0 विधायक सदर ने योजना की सराहना करते हुए कहा, 卐पहले गरीब परिवारों के लिए बेटी की शादी करना बहुत कठिन कार्य होता था। कई बार उन्हें कर्ज लेना पड़ता था, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और कमजोर हो जाती थी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ने गरीब परिवारों की इस चिंता को दूर किया है। इस योजना के तहत सभी धर्मों और समुदायों की रीति-रिवाजों का ध्यान रखा जाता है। मा0 विधायक माधौगढ़ ने कहा कि सरकार ने इस योजना के माध्यम से समाज के वंचित वर्गों को सम्मान और सहारा देने का प्रयास किया है। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की। जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को 51,000 रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। इसमें 35,000 रुपये सीधे वधू के खाते में स्थानांतरित किए जाते हैं, जबकि 10,000 रुपये उपहार सामग्री के रूप में दिए जाते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए नवविवाहित जोड़ों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

Why hair starts turning grey at an early age, prevent it with these 6 ways

Greying of hair at an early age has become a common problem for Gen-Z and Millennials. This thing (Premature Greying), which is considered a sign of increasing age, has become a common problem nowadays, but do you know that there are reasons behind it. Here we are going to tell about some such reasons due to which this problem is increasing among Gen-Z and Millennials. The problem of white hair now starts even at a young age. This problem is increasing a lot among Gen-Z and Millennials. Lifestyle improvement is necessary to prevent white hair. White hair is usually considered a sign of old age, but nowadays we often hear that the hair of people of Gen-Z and Millennials generation is turning grey before age. However, this is a cause of great concern. After all, what are the reasons due to which hair can start turning grey before age and can this problem be avoided. Let's find out. Premature graying of hair indicates a bad lifestyle. Deterioration in lifestyle causes a lot of damage to health, which also includes graying of hair. There are many such everyday habits, due to which hair starts graying early. However, by improving these habits, we can save ourselves from this problem. Causes of premature graying of hair- Stress and anxiety- In today's hectic life, stress and anxiety have become common. Both of these are important reasons for premature graying of hair. Unhealthy eating- Fast food, processed food and lack of nutrient-rich food also damages hair. Lack of sleep- Lack of adequate sleep increases oxidative stress in the body, which plays a role in graying of hair. Environmental pollution- Pollution damages hair and they turn gray prematurely. Genetic reasons- In some people, premature graying of hair can also be due to genetic reasons. Consumption of some medicines- Some medicines can cause graying of hair. How to prevent premature graying of hair?Reduce stress- Yoga, meditation and exercise help reduce stress.Eat healthy food- Take a diet rich in fruits, vegetables, whole grains and protein.Get enough sleep- Make sure you get at least 7-8 hours of sleep every day.Avoid environmental pollution- Avoid going to polluted areas and use air purifiers indoors.Take care of hair- Wash hair regularly and use a good sulfate free shampoo and conditioner.Consult a doctor- If you feel that your hair is turning gray early, consult a specialist.

Thanksgiving Day was started for this special reason, read here why it is so special

The festival of Thanksgiving Day will be celebrated on November 28 this year (Thanksgiving 2024). This is the main festival of American culture in which people express their gratitude towards life. The celebration of Thanksgiving Day has not started from today but has been going on for many centuries, but how did it start and why is it so special. Let's know.

Thanksgiving Day will be celebrated on November 28 this year. This festival started in 1621. On Thanksgiving Day, people express gratitude towards life. Thanksgiving is a traditional festival of America (Thanksgiving Day in US), which will be celebrated on November 28 this year. This festival (Thanksgiving) is celebrated every year on the fourth Thursday of November. Thanksgiving is a kind of harvesting festival, which started in 1621. This day is an opportunity to spend time with family and friends, eat delicious food and express gratitude for the past year. Let us know how Thanksgiving started and what is the purpose of celebrating it. History of Thanksgiving Day- Thanksgiving Day celebration started in 1621 in Plymouth, Massachusetts. At that time, pilgrims from England were struggling with harsh winter and famine. Local American people, especially the Wampanoag tribe, taught them how to grow food and farm. After the first harvest, the pilgrims celebrated a three-day celebration with the Wampanoag people, which included food, games and singing. This celebration is considered to be the first Thanksgiving in history. However, it took many years for Thanksgiving to be recognized as America's national holiday. In 1863, President Abraham Lincoln declared Thanksgiving a national holiday. Importance of Thanksgiving- Thanksgiving Day is a day to express gratitude to family and friends. This day gives us an opportunity to express gratitude for all the things in our life that we are thankful for, such as family, friends, health and your work etc. Thanksgiving brings family and friends together. It is an occasion when we spend time with each other, eat food and talk. Thanksgiving inspires us to help others and contribute to the community. Many people donate food and clothes to needy people on this day. Thanksgiving Day Traditions- There are many traditions associated with Thanksgiving, which include- Eating turkey- Turkey is the most famous food of Thanksgiving. It is usually served with stuffing, butter and gravy. Parades- Parades are organized on Thanksgiving in many cities. These parades include floats, bands and other entertainment. Watching football- Thanksgiving is also considered the day of American football. Many people watch football matches on this day. Writing a Thank You Letter – Many people write thank you letters to their family and friends on Thanksgiving.

If you want to get rid of baldness, then use castor oil like this, the effect will be visible in a few days

Many people are troubled by the problem of hair fall or baldness. Many types of measures are also adopted for this, but still it is not necessary that the effect is seen. In such a situation, using castor oil can be beneficial. Let's know how to apply castor oil (Castor Oil for Hair Fall) and how it can be beneficial. The problem of hair fall has become quite common. Castor oil can be very beneficial in preventing it. Castor oil should always be applied by mixing it with some other oil. Everyone likes thick black hair but some very important nutrients such as vitamin-D, biotin, iron deficiency, hormonal imbalance, stress and unhealthy diet can weaken the hair and cause baldness. Due to this, both beauty and self-confidence decrease. In such a situation, castor oil (Castor Oil for Hair Fall) is considered very effective in deeply nourishing the hair roots and increasing hair growth. The ricinoleic acid present in it provides the necessary nutrition to the hair by improving the blood circulation of the scalp. Castor oil is thick, so it becomes easier and more effective to use it by mixing it with other light oils. Yes, it is important to know the methods of their use, so let's know about the ways to use castor oil. Take 2-3 teaspoons of castor oil and heat it slightly. Now apply it on the scalp with the help of fingers and massage lightly for 10 minutes so that the oil reaches the roots of the hair. Leave it overnight and wash it with mild shampoo in the morning. With coconut oil - Mix two tablespoons of coconut oil and one tablespoon of castor oil, heat it and apply it on the scalp. Leave it for 1-2 hours and then wash it with shampoo. It provides moisture to the hair and prevents dryness. Mask with onion juice- Mix 2 tablespoons of castor oil and 2 teaspoons of onion juice, and apply it on the scalp and leave it for 30-40 minutes. Onion juice accelerates hair growth and castor oil nourishes. Mask with aloe vera gel- Mix 2 teaspoons of castor oil and 1 teaspoon of fresh aloe vera gel and apply it on the scalp and massage gently. Wash after 1 hour. This method makes the hair soft and shiny. Mask with fenugreek seeds- Mix 2 teaspoons of castor oil in a paste of fenugreek soaked overnight and apply it on the scalp, keep it for 1 hour and wash with mild shampoo. This remedy is helpful in preventing baldness and promoting new hair growth. Precautions Do a patch test before using the oil. Be patient for its results as natural remedies take time to show results. Correct and regular use of castor oil helps in making hair thick, strong and healthy.

Get ready for Varun Dhawan's Nain Matakka, Baby John's first song released

Varun Dhawan's Baby John has been in the news since the teaser. Now the makers have released the first song of the movie, Nain Matakka. In the teaser, you got to see the chemistry of Varun and Keerti Suresh. Now you will not be able to stop yourself from dancing after

seeing the dance moves of both of them in the song. The special thing about the song is that it has been sung by a famous Punjabi singer.Baby John's first song released Varun-Keerti danced fiercely in Nain Matakka 'Diljit Dosanjh' and 'Dhee' gave voice to the song These days, a lot of changes are being seen in the film industry. South actors are seen in many big Bollywood films, while Bollywood actors are also preparing to increase their fan following in the South. In this episode, Varun Dhawan is also going to debut in South cinema with Baby John. The first song of the actor's film 'Nain Matakka' has also been released. How is Baby John's Nain Mattakka song? - The song starts with Varun Dhawan's dance performance. Along with Varun-Kirti's sizzling dance moves in the song, its hook step is rapidly going viral on social media. With the voice of Diljit and Dhee, the song is increasing the excitement level among the fans even more. Apart from this, Diljit's presence in the music video has surprised the fans. Sharing the video of the song, Varun Dhawan wrote in the caption, 'The vibe is very good, it will force you to dance with the tribe, baby! Teaser increased excitement - Varun Dhawan's fans are eagerly waiting for his debut in the South at this time. In this episode, they are keeping a close eye on every update related to the film. The audience showered a lot of love on the release of Baby John's teaser. At the beginning of the teaser, a girl is seen who is probably the character shown by Varun Dhawan in the film. Varun is seen in his action mode throughout the teaser. Also, a glimpse of Keerthy Suresh and Vamika Gabbi is also seen in it. Let us tell you that Keerthy Suresh is making her debut in Hindi films with Baby John.

When will the film be released? - The story of Baby John has been written by Kalish and he has also directed the film. According to media reports, Baby John is the official Hindi remake of Thalapathy Vijay and Samantha Ruth Prabhu's film 'Theri' released in the year 2016. Actors like Varun Dhawan, Keerthy Suresh along with Vamika Gabbi, Jackie Shroff and Rajpal Yadav will be seen in Baby John. The film is going to be released in theaters on 25 December on the occasion of Christmas.

Malaika Arora has given her decision on relationship status! Your mind will spin after seeing the cryptic post

Malaika Arora relationship status Malaika Arora and Arjun Kapoor remain the talk of the town regarding their relationship. Both dated each other for many years. However, now the relationship between the two seems to be ending. This was confirmed by the actor himself during the Diwali party. Now after a month, Malaika Arora has also told the truth of the relationship. What is Malaika Arora's relationship status? After breakup with Arjun, announced with 3 options - single- Apart from relationship, agreed to this thing Bollywood actress Malaika Arora often steals the attention of fans with the updates of her personal life. After breakup with Arjun Kapoor, the actress often shares cryptic posts. Fans are waiting to know even the smallest updates related to her. In this episode, now Malaika has told the status of her relationship. What is Malaika's relationship status? Malaika Arora is very active on social media. She shares updates related to her life with fans through her account. After Arjun Kapoor announced the breakup, everyone was wondering when the actress would share the truth of her relationship. Recently, she was also spotted with an unknown person. Now she has answered everyone's questions together in her latest post. In this post, Malaika has told whether she is currently single or mingle? Which of the 3 options did the actress click on? Malaika shared a post on her Insta story, which reads, 'My relationship status at this time…' After this, 3 options are given, 1. In a relationship, 2. Single and 3. He he he… Malaika confused everyone in a funny way by ticking the third option. Through the post, it can be guessed that the actress is no longer in a relationship with Arjun Kapoor. Relationship was confirmed in 2019 - Malaika got divorced from Arbaaz Khan in the year 2017. A few years after the divorce, Arjun Kapoor entered her life. Both of them were spotted together at many places. In the year 2019, the love birds confirmed their relationship. The ex-couple started being counted among the hot couples of the industry. Even the fans were waiting for their marriage but it did not happen. Recently, when Malaika's father Anil Mehta passed away, Arjun was seen at home who came to console her like a friend.

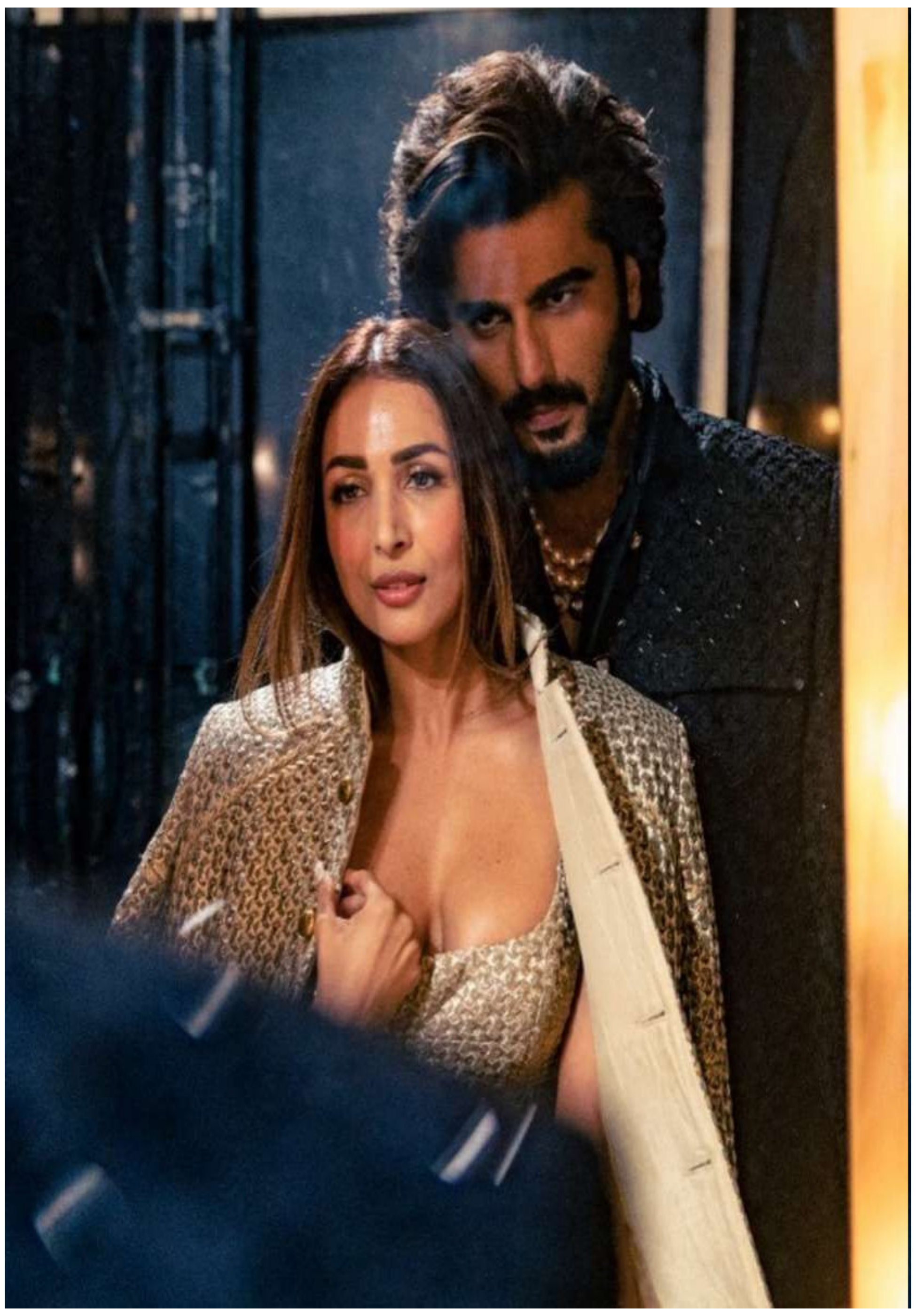

Lies were spread about me... Why was Samantha Ruth Prabhu silent after divorce from Naga Chaitanya, now told the truth

Actress Samantha Ruth Prabhu is a well-known South actress. She is known for her strong image and acting. Often Samantha is seen expressing her opinion openly on many social issues. These days Samantha is in the news for her series Citadel Honey Bunny. Recently, the actress has spoken many things about her marriage and divorce with Naga Chaitanya. Samantha Ruth Prabhu was in the news recently for her series Citadel: Honey Bunny. Varun Dhawan was seen with her in this series. Apart from this, another reason due to which Samantha remains in the news is her divorce case with Naga Chaitanya. Naga divorced Samantha in the year 2021 and now he is going to marry Shobhita Dhulipala very soon. Since then, Samantha was being trolled a lot for her decision. However, the actress maintained a strict silence on the matter then. The reason for their divorce is not known to anyone till date. In an interview to Galata India, Samantha addressed the social challenges faced by women and spoke on topics like patriarchy. The actress said, "Unfortunately, we live in a society that is so patriarchal in nature that whenever something goes wrong, a woman has to face harassment… I am not saying that this does not happen to men, it does. But it happens more with a woman. This is very shameful." Samantha further told that even at the time of divorce, many false things were spread about her, due to which she had to face a lot of abuse online. The actress said that she tried to speak many times but then thought it better to remain silent. Samantha said that she did not let these lies dominate her. She said, 'Many false things were said about me. But I kept myself under control. When the situation became very bad and lies were being spread everywhere, I talked to myself. Many times it happened that I wanted to bring out the truth and say that all this is wrong.' Then I felt that my family, my friends know my truth and that is enough. I do not need to prove myself to everyone. After separating from Samantha, Naga Chaitanya was spotted with Shobhita many times. After dating for two years, both of them got engaged on 8 August this year. Now they are going to get married on 4 December at Annapurna Studio.